दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik

asliazadidainikofficial

असली आज़ादी

■ वर्षः 21, अंकः 305 ■ दमण, मंगलवार 25, अगस्त 2026 ■ पृष्ठः 8 ■ मूल्यः 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

यूपी की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने दानह में नमो अस्पताल एवं नमो मेडिकल कॉलेज, आंगनवाडी और स्वामी विवेकानंद विद्या मंदिर स्कूल का किया निरीक्षण

■ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन तथा प्रशासक प्रफुल पटेल के नेतृत्व में दादरा नगर हवेली विकास की दिशा में निरंतर अग्रसर हैः आनंदीबेन पटेल ■ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने नमो मेडिकल अस्पताल में उपलब्ध उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाओं को अवलोकन करते हुए प्रशासक प्रफुल पटेल के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह अस्पताल अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं एवं मानकों के अनुरूप विकसित किया गया है ■ उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने झंड चौक स्थित स्वामी विकानंद विद्या मंदिर स्कूल में विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध शैक्षणिक सुविधाओं का किया निरीक्षणः विद्यार्थियों एवं शिक्षकों से संवाद कर विद्यालय की शिक्षा व्यवस्था के बारे में प्राप्त की जानकारी ■ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सायली स्थित आंगनवाडी केन्द्र का दौरा कर नन्हें बच्चों को प्रदान की जा रही शिक्षा एवं पोषण तथा देखभाल व्यवस्थाओं का किया अवलोकन, बच्चों को वितरित किया फ्रूट किट

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 24 अगस्त। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव की मेहमान बनीं उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी पटेल ने 24 अगस्त 2026 को दादरा नगर हवेली का दौरा किया। इस दौरान उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने नमो मेडिकल हॉस्पिटल, नमो मेडिकल कॉलेज, स्वामी विवेकानंद विद्यामंदिर स्कूल झंडा चौक तथा सायली स्थित आंगनवाड़ी केंद्र का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों से विभिन्न व्यवस्थाओं एवं कार्यों की जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर संघ प्रदेशों के प्रशासक प्रफुल पटेल भी मौजूद रहे। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सर्वप्रथम नमो मेडिकल हॉस्पिटल का निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं, आधुनिक चिकित्सा उपकरणों, मरीजों को प्रदान की जा रही सुविधाओं तथा विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल प्रशासन एवं चिकित्सकों से स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने के संबंध में चर्चा की। अस्पताल में उपलब्ध उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाओं का अवलोकन करते हुए उन्होंने प्रशासक प्रफुल पटेल के प्रयासों की सराहना की और कहा कि यह अस्पताल अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं एवं मानकों के अनुरूप विकसित किया गया है। इसके पश्चात राज्यपाल ने झंडा चौक स्थित स्वामी विवेकानंद विद्यामंदिर स्कूल का दौरा किया। विद्यालय में लगभग 12,000 विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान की जा रही है। उन्होंने विद्यालय परिसर, कक्षाओं तथा विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध शैक्षणिक सुविधाओं का निरीक्षण किया। साथ ही विद्यार्थियों एवं शिक्षकों से संवाद कर विद्यालय की शिक्षा व्यवस्था के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों, अनुशासन एवं संस्कारों के महत्व के प्रति प्रेरित किया। इस अवसर पर राज्यपाल द्वारा विद्यार्थियों को पुस्तकों एवं चॉकलेट का वितरण भी किया गया। इसके पश्चात राज्यपाल ने नमो मेडिकल कॉलेज का दौरा किया। उन्होंने कॉलेज में उपलब्ध शैक्षणिक सुविधाओं, प्रयोगशालाओं, प्रशिक्षण व्यवस्थाओं तथा विद्यार्थियों को प्रदान की जा रही चिकित्सा शिक्षा के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में उपलब्ध संसाधनों एवं व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया। इसके बाद राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सायली स्थित आंगनवाड़ी केंद्र का दौरा किया। उन्होंने वहां उपस्थित नन्हे बच्चों को प्रदान की जा रही शिक्षा, पोषण एवं देखभाल की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया और उनकी सराहना की। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों को फ्रूट किट का वितरण भी किया। इस अवसर पर प्रशासन के विभिन्न विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने प्रशासक प्रफुल पटेल के मार्गदर्शन में पिछले 10 वर्षों के दौरान किए गए विकास कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन तथा प्रशासक प्रफुल पटेल के नेतृत्व में दादरा नगर हवेली विकास की दिशा में निरंतर अग्रसर है। उन्होंने क्षेत्र में स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास तथा अन्य क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों की भी प्रशंसा की।

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने दानह एवं दमण में विकास कार्यों का किया अवलोकन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 24 अगस्त। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल इन दिनों मॉनसून फेस्टिवल 2026 के तहत संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के आधिकारिक दौरे पर हैं। अपने दौरे के दौरान उन्होंने सोमवार को संघ प्रदेश में प्रशासक प्रफुल पटेल के सक्षम नेतृत्व में किए जा रहे विभिन्न विकास कार्यों और जनकल्याणकारी पहलों का अवलोकन किया। इस दौरान प्रशासक प्रफुल पटेल भी मौजूद थे। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने दिन के पूर्वाह्न सत्र में सिलवासा में विभिन्न महत्वपूर्ण विकास एवं सामाजिक संस्थानों का दौरा किया। उन्होंने नमो अस्पताल, स्वामी विवेकानंद विद्या मंदिर, बालदेवी आंगनवाड़ी तथा नमो मेडिकल कॉलेज सिलवासा का निरीक्षण किया और वहां उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य, शिक्षा एवं जनकल्याणकारी सुविधाओं की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने संघ प्रदेश में आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा महिला एवं बाल विकास के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। दौरे के अपराह्न सत्र में माननीय राज्यपाल ने दमण के एवियरी, जंपोर सी फ्रंट तथा गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज का भ्रमण किया। उन्होंने इन स्थलों पर विकसित की गई आधुनिक सुविधाओं, पर्यटन अवसंरचना, प्राकृतिक एवं मनोरंजक स्थलों तथा युवाओं के लिए उपलब्ध शैक्षणिक सुविधाओं का अवलोकन किया। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने संघ प्रदेश में पिछले कुछ वर्षों के दौरान हुए व्यापक विकास कार्यों को देखा और विभिन्न क्षेत्रों में किए जा रहे परिवर्तन की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन, महिला एवं बाल विकास तथा युवा-केंद्रित पहलों के माध्यम से आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रयासों की सराहना की। यह उल्लेखनीय है कि राज्यपाल आनंदीबेन पटेल मॉनसून फेस्टिवल 2026 के अवसर पर संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण एवं दीव के आधिकारिक दौरे पर हैं। उनके दौरे का उद्देश्य मॉनसून फेस्टिवल में सहभागिता के साथ-साथ संघ प्रदेश में हो रहे विकास कार्यों और विभिन्न जनकल्याणकारी पहलों को प्रत्यक्ष रूप से देखना भी है। माननीय राज्यपाल के दौरे के दौरान संघ प्रदेश की विकास यात्रा, समृद्ध पर्यटन संभावनाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं की एक व्यापक तस्वीर सामने आई, जो प्रशासक प्रफुल पटेल के नेतृत्व में दादरा नगर हवेली और दमण-दीव को आधुनिक, विकसित एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में किए जा रहे निरंतर प्रयासों को दर्शाती है।

दिल्ली में स्वाइन फ्लू और मौसमी बीमारियों को लेकर स्वास्थ्य मंत्री ने बुलाई बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में स्वाइन फ्लू और वेक्टर जनित बीमारियों की मौजूदा स्थिति और रोकथाम की तैयारियों को लेकर स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह ने सोमवार को उच्च स्तरीय बैठक बुलाई है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ होने वाली इस बैठक में बीमारियों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए किए जा रहे उपायों, अस्पतालों की तैयारियों, निगरानी व्यवस्था और संभावित मामलों को लेकर विभागीय तैयारियों पर चर्चा होने की संभावना है। बैठक में खास तौर पर स्वाइन फ्लू, डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों की स्थिति पर नजर रखने और इनके प्रसार को रोकने के लिए उठाए जा रहे कदमों की समीक्षा की जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री अधिकारियों से मौजूदा स्थिति की जानकारी लेने के साथ-साथ आने वाले दिनों में बीमारियों की रोकथाम के लिए फील्ड स्तर पर निगरानी और स्वास्थ्य विभाग की तैयारियों को और मजबूत करने को लेकर भी दिशा-निर्देश दे सकते हैं।

दिल्ली में मानसून के दौरान वेक्टर जनित बीमारियों का खतरा बढ़ने को देखते हुए सरकार की ओर से इस बैठक को अहम माना जा रहा है। इससे पहले सफदरजंग अस्पताल ने अपने एक बयान में कहा कि अस्पताल स्वाइन फ्लू और मौसमी बीमारियों से निपटने के लिए तैयार है। बयान में कहा गया कि मरीज की जरूरत और मौजूदा गाइडलाइंस के हिसाब से इलाज किया जाता है, साथ ही अस्पताल मामलों पर नजर रखता है और जरूरी इंतजाम बनाए रखता है। बता दें हाल के हफ्तों में दिल्ली में स्वाइन फ्लू के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक इस साल दिल्ली में एच1एन1 के 1,777 से ज्यादा मामले सामने आए हैं, जबकि राजधानी में इन्फ्लूएंजा-ए के भी 2,300 से ज्यादा मामले दर्ज हुए हैं।

महाराष्ट्र में रिक्शा चला रहे हजारों युवकों को आजीविका से वंचित करना उचित नहीं

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक को पत्र लिखा है। पत्र के जरिए परिवहन मंत्री से अपील की है कि रैपिडो, ओला और उबैर के चलते राज्य में हजारों की संख्या में रिक्शा चला रहे मराठी युवकों को आजीविका से वंचित करना उचित नहीं है। राउत ने पत्र में लिखा- महोदय, राज्य के कुछ मंत्रियों के रैपिडो कंपनी के साथ वित्तीय और व्यावसायिक संबंध हैं। रैपिडो ने अब तक दही हांडी, गणेशोत्सव और कुछ मंत्रियों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों को प्रायोजित किया है और करोड़ों रुपए दिए हैं। कुछ मंत्रियों को चुनाव के लिए भी धनराशि दी है। इसलिए ऐसा लगता है कि हजारों रिक्शा चालकों को इनके नाम पर फंसाकर एहसान चुकाने की कोशिश की जा रही है। संजय राउत ने आगे लिखा- जब महाराष्ट्र के वर्तमान उपमुख्यमंत्री का मूल पेशा ही रिक्शा चालक है, तो इस राज्य के रिक्शा चालकों की आजीविका छीनना उचित नहीं है। मैं इस मुद्दे पर रिक्शा चालक संघर्ष समिति के प्रतिनिधिमंडल के साथ आपसे मिलना चाहता हूं। उचित समय और स्थान की जानकारी दें। कृपया मुझे सूचित करें। हाल ही में संजय राउत ने केंद्र सरकार पर महाराष्ट्र के सहकारी क्षेत्र के साथ अन्याय करने का आरोप लगाया था। 20 अगस्त को संजय राउत ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (संशोधन) विधेयक, 2026 के पारित होने और मुंबई में राष्ट्रीय शहरी सहकारी वित्त विकास निगम कार्यालय के उद्घाटन पर चिंता व्यक्त की थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संजय राउत की ओर से लिखे गए पत्र की प्रति सीएम देवेंद्र फडणवीस और शरद पवार को भी भेजी गई थी। राउत ने शहरी सहकारी बैंकिंग परिसंपत्तियों से संबंधित मंत्रालय के हालिया फैसलों पर आपत्तियां रखी थीं। राउत ने कहा था कि उन्होंने जानबूझकर पत्र मराठी में लिखा है ताकि जनता समझ सके कि उनके शब्दों में, महाराष्ट्र के शहरी सहकारी बैंकिंग क्षेत्र के साथ किस प्रकार अन्याय किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया था कि विधेयक जल्दबाजी में पारित किया गया था और एनयूसीएफडीसी के जरिए महाराष्ट्र और गोवा के शीर्ष शहरी सहकारी बैंक की संपत्ति को उसके सदस्यों की सहमति के बिना जब्त कर लिया गया था। उन्होंने इसे महाराष्ट्र के सहकारी आंदोलन पर सीधा हमला बताया था।

बारिश का कहर : सोनभद्र में कनहर बांध के फाटक खुले, हिमाचल में 125 सड़कें बंद

सोनभद्र (एजेंसी)। उत्तर भारत में लगातार हो रही भारी बारिश ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त किया है। सोनभद्र जिले में कनहर सिंचाई परियोजना के कैचमेंट एरिया में लगातार वर्षा के चलते अमवार स्थित कनहर बांध का जलस्तर तेजी से बढ़ा है, वहीं हिमाचल प्रदेश भी बारिश और भूस्खलन की चपेट में है, जहां 125 से अधिक सड़कें बंद हो गई हैं। सोनभद्र में कनहर बांध का जलस्तर 262.350 मीटर पर पहुंचने के बाद, पानी के दबाव को नियंत्रित करने के लिए सिंचाई विभाग ने तत्परता दिखाकर बांध के छह फाटक (संख्या 2, 4, 5, 6, 11 और 13) खोल दिए हैं। फाटकों के खुलने से कनहर नदी के डाउनस्ट्रीम में पानी का बहाव बेहद तेज हो गया है और नदी उफान पर है। प्रशासन ने तटीय और डूब क्षेत्रों में आम लोगों तथा मवेशियों के जाने पर पूरी तरह रोक लगा दी है।

तमिलनाड़ में 1.30 करोड़ परिवारों को मिलेंगे सालाना 3 मुफ्त एलपीजी सिलेंडर

-विजय सरकार ने 'अन्नपूर्णी सुपर 6' योजना का किया ऐलान

चेन्नई, एजेंसी।
तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने सोमवार को विधानसभा में 'अन्नपूर्णी सुपर 6' योजना शुरू करने की घोषणा की। इसके तहत राज्य की महिला परिवार मुखियाओं को हर साल तीन मुफ्त एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध कराए जाएंगे। योजना की शुरुआत आगामी जनवरी में पोंगल पर्व से होगी। सरकार ने इसके लिए करीब 4,000 करोड़ रुपये सालाना बजटीय प्रावधान करने की बात कही है। योजना से 1.30 करोड़ से अधिक पात्र परिवारों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री विजय के मुताबिक योजना के तहत एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग और डिलीवरी के बाद उसकी कीमत सीधे लाभार्थी महिला के बैंक खाते में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के जरिए वापस की जाएगी। इसके लिए तेल विपणन कंपनियों की आधिकारिक बिलिंग को आधार बनाया जाएगा।

2.5 लाख रुपये तक वार्षिक आय वालों को लाभ

'अन्नपूर्णी सुपर 6' योजना का लाभ उन परिवारों को मिलेगा, जिनकी वार्षिक आय 2.5 लाख रुपये से अधिक नहीं है। इसके अलावा आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों, छोटे एवं सीमांत किसानों तथा दिव्यांग व्यक्तियों के परिवारों को भी योजना के दायरे में शामिल किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि खाड़ी क्षेत्र में संघर्षों के कारण वैश्विक आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित हुई और कीमतों में वृद्धि से पिछले चार महीनों में परिवारों पर आर्थिक दबाव बढ़ा है। इसके चलते कई परिवार वैकल्पिक ईंधन का इस्तेमाल करने को मजबूर हुए। सरकार का उद्देश्य एलपीजी पर होने वाले खर्च की भरपाई कर परिवारों का आर्थिक बोझ कम करना है।

महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा का दायरा बढ़ेगा

मुख्यमंत्री ने सामाजिक सुरक्षा और आवागमन से जुड़ी 'वेट्री पयानम' योजना के विस्तार की भी घोषणा की। इसके तहत महिलाओं और ट्रांसजेंडर यात्रियों के लिए सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा की सुविधा बढ़ाई जाएगी। योजना 2 अक्टूबर से लागू होगी। इसके तहत महानगरों और शहरी क्षेत्रों में चलने वाली एक्सप्रेस, लिमिटेड स्टॉप सर्विस और डीलक्स सरकारी बसों में महिलाएं और ट्रांसजेंडर यात्री मुफ्त यात्रा कर सकेंगे। जिलों के बीच आवागमन के लिए मुफस्सिल और पहाड़ी क्षेत्रों में चलने वाली सामान्य किराया वाली बसों में भी यह सुविधा उपलब्ध होगी। सरकार के अनुसार 'वेट्री पयानम' के क्रियान्वयन पर करीब 6,000 करोड़ रुपये सालाना खर्च होने का अनुमान है। इस योजना में आय की कोई सीमा नहीं होगी और मुफ्त यात्राओं की संख्या पर भी कोई प्रतिबंध नहीं लगाया जाएगा।

महिला सशक्तीकरण पर जोर

मुख्यमंत्री ने 'वेट्री विजन डॉक्यूमेंट' के तहत महिला सुरक्षा, सामाजिक प्रगति और आजीविका को मजबूत करने के लिए विभिन्न योजनाओं के लिए बजटीय प्रावधान किए जाने की जानकारी दी। इनमें 'सिंगा पेन' स्पेशल टास्क फोर्स, 'थैमामन थंगामोथिरम', 'वेट्री मगलिर आडुगल वलरप्पु' और 'अन्नानिन सीर' जैसी योजनाएं शामिल हैं। सरकार ने कहा कि इन पहलों का उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से अधिक सशक्त बनाना है।

मधेपुरा के सिंहेश्वर धाम में भगदड़, छह श्रद्धालु घायल, सावन के आखिरी सोमवार को हुआ हादसा

पटना (एजेंसी)। मधेपुरा के प्रसिद्ध सिंहेश्वर धाम में सावन की अंतिम सोमवारी पर बड़ा हादसा होते-होते बचा। मंदिर में दर्शन और जल चढ़ाने आए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण मुख्य द्वार पर भगदड़ मच गई, जिसमें कम से कम छह श्रद्धालु घायल हो गए। यह घटना सोमवार सुबह लगभग 6:25 से 7 बजे के बीच उस समय हुई जब भोले बाबा को जल अर्पित करने के लिए हजारों की संख्या में भक्त मंदिर पहुंचे थे। घायलों को इलाज के लिए मधेपुरा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी थी। जैसे ही मुख्य प्रवेश द्वार पर भीड़ का दबाव बढ़ा, कुछ लोगों ने नियंत्रण खो दिया और अफरा-तफरी मच गई। स्थिति भगदड़ में बदल गई, और इस दौरान कुछ श्रद्धालु नीचे गिर गए। भीड़ के दबाव में दबने से कई लोगों को चोटें आईं।

सूचना के अनुसार, इस घटना में चार महिलाएं और दो पुरुष समेत कुल आधा दर्जन श्रद्धालु घायल हुए हैं। उन्हें तत्काल मधेपुरा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां सभी का इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार, सभी घायलों की हालत स्थिर है और खतरे से बाहर है। मौके पर पहले से ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे। स्थिति बिगड़ते देख सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत मोर्चा संभाला। स्थानीय संगठनों के कार्यकर्ताओं ने भी पुलिस का सहयोग किया और भीड़ को नियंत्रित करने में मदद की। उन्होंने गिरे हुए लोगों को उठाया और घायल श्रद्धालुओं को भीड़ से सुरक्षित बाहर निकालकर मेडिकल सहायता उपलब्ध कराई। सावन की अंतिम सोमवारी को देखते हुए प्रशासन ने पहले से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने का अनुमान लगाया था। जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे और स्वयं जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक भी मंदिर की व्यवस्था पर लगातार नजर बनाए हुए थे। हालांकि, सुबह अचानक मुख्य गेट पर भीड़ का अत्यधिक दबाव बढ़ जाने से स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई। सुरक्षाकर्मियों की त्वरित कार्रवाई के कारण स्थिति को जल्द ही संभाल लिया गया और किसी बड़े हादसे को टाल दिया गया।

क्लोरीन गैस लीक होने से 40 लोग प्रभावित, सांस लेने में हो रही थी दिक्कत

-सभी को अस्पताल में कराया भर्ती, 5 गंभीर को आईसीयू में किया शिफ्ट

नागपुर, एजेंसी।
नागपुर में क्लोरीन गैस लीक होने की वजह से 40 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बताया जा रहा है कि इन सभी लोगों को सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। मामले की सूचना मिलते ही प्रशासन ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया। प्रभावित क्षेत्र के लोगों को अस?पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से 5 लोगों को आईसीयू में रखा गया है।

जानकारी के मुताबिक नागपुर के गोधनी इलाके में सोमवार को वाटर ट्रीटमेंट प?लांट से क्लोरीन गैस लीक होने के बाद हड़कंप मच गया। गोधनी नगर पंचायत द्वारा संचालित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में गैस रिसाव की घटना के बाद करीब 40 लोगों को सांस लेने में दिक्कत हुई। प्रभावित लोगों में संयंत्र के 8 से 10 कर्मचारी और आसपास रहने वाले 20 से 25 लोग शामिल हैं। गैस रिसाव के बाद लोगों को अस्पताल पहुंचाया। इनमें से 5 की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें आईसीयू में रखा है। वहीं, अन्य मरीजों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। उनपर नजर रखी जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। गैस के प्रभाव को नियंत्रित करने के साथ ही आसपास के इलाके में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। एहतियात के तौर पर नजदीकी क्षेत्र में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है।

पेपर लीक रोकने के लिए बिहार सरकार ने बनाई समिति

पटना, एजेंसी।
बिहार की सम्राट चौधरी सरकार ने राज्य में परीक्षाओं की शुचिता सुनिश्चित करने और पेपर लीक जैसी गंभीर समस्याओं पर स्थायी रोक लगाने के लिए एक बड़ा और ऐतिहासिक कदम उठाया है। रविवार को परीक्षाओं में व्यापक सुधारों की अनुशंसा के लिए पांच सदस्यीय विशेषज्ञ समिति के गठन की आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी गई है। यह उच्च स्तरीय समिति विभिन्न परीक्षा बोर्डों, आयोगों, विश्वविद्यालयों और अन्य भर्ती एजेंसियों द्वारा ली जाने वाली समस्त परीक्षा प्रक्रियाओं में सुधार के लिए विस्तृत अनुशंसाएँ प्रस्तुत करेगी। इस समिति की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश या हाईकोर्ट के सेवारत अथवा सेवानिवृत्त न्यायाधीश करेंगे, जिससे इसकी निष्पक्षता और गंभीरता सुनिश्चित हो सकेगी। समिति को तीन माह के भीतर अपनी अनुशंसाएं राज्य सरकार को सौंपने का निर्देश दिया गया है। यह समिति परीक्षा कैलेंडर के निर्माण, प्रश्न पत्रों में सुधार, परीक्षा सुरक्षा को मजबूत करने और पेपर लीक की रोकथाम के प्रभावी उपायों को लेकर भी महत्वपूर्ण सुझाव देगी।

इस समिति द्वारा परीक्षा संचालन, प्रश्न-पत्र निर्माण, मूल्यांकन, परिणाम घोषणा और शिकायत निवारण सहित पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं जवाबदेही बढ़ाने के लिए व्यापक अनुशंसाएं की जाएंगी। प्रश्न-पत्र एवं उत्तर पुस्तिकाओं की सुरक्षित ट्रैकिंग के लिए चेन ऑफ कस्टडी प्रोटोकॉल विकसित करने पर भी विशेष विचार किया जाएगा, ताकि हर स्तर पर उनकी सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। समिति परीक्षा केंद्रों की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने, अभ्यर्थियों की बायोमेट्रिक सत्यापन प्रणाली लागू करने, सीसीटीवी निगरानी को अनिवार्य बनाने तथा जरूरत पड़ने पर परीक्षाओं की फोरेंसिक जांच की अनुशंसा भी कर सकती है, जिससे किसी भी प्रकार की धांधली की गुंजाइश खत्म हो सके। विशेषज्ञ समिति परीक्षाओं, मूल्यांकन और परिणामों की घोषणा में होने वाली देरी के कारणों की समीक्षा करेगी तथा एक राज्य परीक्षा कैलेंडर तैयार करने की अनुशंसा करेगी। इस कैलेंडर में विज्ञापन जारी करने से लेकर आवेदन प्रक्रिया, प्रवेश-पत्र निर्गमन, परीक्षा आयोजन, प्रोविजनल उत्तर कुंजी का प्रकाशन, आपत्तियों का निपटारा, अंतिम उत्तर कुंजी का प्रकाशन, मूल्यांकन, परिणाम की घोषणा तथा जांच/पैनल मूल्यांकन और अनुशंसा भेजने के लिए अधिकतम समय-सीमा निर्धारित करने का प्रावधान किया जा सकता है। इससे परीक्षाओं में अनावश्यक देरी पर लगाम लगेगी और छात्रों को समय पर परिणाम मिल सकेंगे। प्रश्न-पत्रों की तैयारी की पूरी प्रक्रिया की व्यापक समीक्षा की जाएगी।

अमरावती के सरकारी अस्पताल में आग, वेंटिलेटर फटा 3 शिशुओं की मौत

अमरावती, एजेंसी।
महाराष्ट्र के अमरावती जिले में स्थित एक सरकारी अस्पताल में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। यहां के नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई (एनआईसीयू) में आग लगने से कम से कम तीन नवजात शिशुओं की मौत हो गई। जिंदगी की शुरुआत करने वाले इन नवजात शिशुओं ने अभी अपनी मां को जीभर कर देखा भी नहीं होगा कि इस दर्दनाक हादसे ने उनकी जान ले ली। बताया जा रहा है कि यह आग नियोनेटल यूनिट में एक वेंटिलेटर में विस्फोट होने के कारण लगी। यह भयावह घटना बुधवार तड़के करीब 3:30 बजे हुई।

जानकारी के अनुसार, नियोनेटल यूनिट में एक वेंटिलेटर में हुए धमाके के बाद आग तेजी से फैल गई और पूरे वार्ड में धुआं भर गया। उस समय यूनिट में कुल 39 नवजात शिशु भर्ती थे। ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों और नर्सों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए वार्ड को खाली करवाना शुरू कर दिया। इस दौरान छह नवजातों को गंभीर हालत में सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में स्थानांतरित किया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, तीन नवजातों की मौत दम घुटने की वजह से हुई है। आग इतनी भीषण थी कि एनआईसीयू वार्ड की स्थिति देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है। वार्ड में मौजूद बेड, मशीनें और अन्य उपकरण जलकर खाक हो गए, बिस्तर राख के ढेर में बदल गए। अस्पताल के डॉक्टरों और नर्सों ने पूरी कोशिश की कि बच्चों को जल्द से जल्द सुरक्षित निकाला जा सके, लेकिन धुएं की वजह से तीन मासूमों को नहीं बचाया जा सका।घटना की सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां भी मौके पर पहुंचीं और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। प्रशासन ने इस पूरे मामले की गहन जांच के आदेश दे दिए हैं। यह पता लगाया जा रहा है कि आग लगने का जिम्मेदार कौन है और अस्पताल में आग बुझाने के लिए क्या इंतजाम थे। अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि जांच के बाद दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पाकिस्तानी गैंगस्टर की सक्रियता ने पंजाब में बढ़ाई टेंशन

-शहजाद भट्टी निशाने पर, हाई अलर्ट जारी

चंडीगढ़, एजेंसी।
पंजाब में एक बड़ी आतंकवादी घटना की साजिश रचे जाने की गंभीर आशंका ने सुरक्षा एजेंसियों की नींद उड़ा दी है। खुफिया एजेंसियों द्वारा राज्य में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है, जिसमें आशंका जताई जा रही है कि पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी ने भारतीय सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने का एक विस्तृत प्लान तैयार किया है। इस खतरनाक योजना के तहत, दो महत्वपूर्ण स्थानों की रेकी भी की जा चुकी है, जिसने सुरक्षा प्रतिष्ठानों में खलबली मचा दी है। हालांकि, इन आशंकाओं को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन खुफिया इनपुट की गंभीरता को देखते हुए पूरे राज्य में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। खुफिया जानकारी के अनुसार, पाकिस्तानी गुर्गे विशेष रूप से अमृतसर जिले में स्थित सैन्य ठिकानों पर हमला करने की फिराक में हैं। यह संवेदनशील जानकारी पंजाब पुलिस सहित देश की अन्य सभी संबंधित सुरक्षा एजेंसियों के साथ साझा की गई है। एजेंसियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि इस इनपुट को अत्यंत गंभीरता से लिया जाए और तत्काल प्रभाव से सभी संवेदनशील स्थानों, विशेषकर सैन्य प्रतिष्ठानों के आसपास सुरक्षा घेरा मजबूत किया जाए। इस अलर्ट के बाद, सड़कों पर गश्त बढ़ा दी गई है और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। खुलासे के तहत, इन दो संदिग्ध ऑपरेटिव्स की पहचान राणा भाई और मलिक के रूप में हुई है। खुफिया इनपुट के हवाले से बताया गया है कि साजिश के तहत अमृतसर के खासा छावनी और बेस के पास स्थित बूढ़ा ठेह की विस्तृत रेकी की गई है। यह बात और भी चिंताजनक है कि खासा छावनी में कुछ समय पहले ही एक रहस्यमय धमाका हुआ था, हालांकि उस घटना में कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ था और विस्फोट छावनी की बाउंड्री वॉल के पास हुआ था। जांचकर्ताओं को संदेह है कि उस धमाके के तार भी किसी पूर्व नियोजित साजिश से जुड़े हो सकते हैं, लेकिन अब तक पिछली घटना और मौजूदा इनपुट्स के बीच कोई सीधा संबंध स्थापित नहीं हो सका है। सुरक्षा एजेंसियां इन कड़ियों को जोड़ने का प्रयास कर रही हैं।शहजाद भट्टी नेटवर्क के खिलाफ भारत में पहले से ही व्यापक कार्रवाई चल रही है। यह गिरोह धार्मिक और संवेदनशील स्थानों पर हमला करने, साथ ही राजनीतिक नेताओं को निशाना बनाने की साजिशों में शामिल रहा है।

संसद का सत्रावसान अब तक क्यों नहीं? कांग्रेस ने उठाए सवाल

-जयराम बोले- क्या परिसीमन बिल के लिए दो-तिहाई बहुमत जुटाने की कोशिश में लगे हैं अमित शाह?

नई दिल्ली, एजेंसी।
संसद के मानसून सत्र की कार्यवाही 13 अगस्त को अनिश्चित काल के लिए स्थगित किए जाने के बावजूद अब तक सत्रावसान नहीं हुआ है। इसे लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आशंका जताते हुए सवाल किया है, कि क्या केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अब भी परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को पारित कराने के लिए दो-तिहाई बहुमत जुटाने की कोशिश कर रहे हैं।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि आमतौर पर लोकसभा की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित होने और सत्रावसान के बीच दो से चार दिन का अंतर होता है। हालांकि कई मौकों पर दोनों प्रक्रियाएं एक ही दिन भी हुई हैं। उन्होंने कहा कि इस बार लोकसभा की कार्यवाही स्थगित हुए 10 दिन बीत चुके हैं, लेकिन सत्रावसान को लेकर कोई जानकारी नहीं है।

2015 और 2021 का उदाहरण दिया

कांग्रेस नेता ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि 2015 के मानसून सत्र में स्थगन और सत्रावसान के बीच 28 दिन तथा 2021 में 20 दिन का अंतर रहा था। हालांकि, उनका दावा है कि उन मौकों पर मौजूदा जैसी परिस्थितियां नहीं थीं। उन्होंने सवाल किया कि इस बार इतनी असामान्य देरी क्यों हो रही है। ऐसे में जयराम रमेश ने पूछा कि क्या सरकार किसी विशेष सत्र के जरिए परिसीमन पर संविधान संशोधन विधेयक पारित कराने की तैयारी कर रही है और इसके लिए दो-तिहाई बहुमत जुटाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने अपने दावे के समर्थन में संसद की कार्यप्रणाली और नियमों पर आधारित एम.एन. कौल और एस.एल. शकधर की पुस्तक 'प्रैक्टिस एंड प्रोसीजर ऑफ पार्लियामेंट' का एक पृष्ठ भी साझा किया है।

राष्ट्रपति के आदेश से होता है सत्रावसान

किताब के हवाले से कांग्रेस नेता ने बताया कि संविधान के अनुच्छेद 85(2) के तहत राष्ट्रपति के आदेश से संसद के सत्र की औपचारिक समाप्ति को सत्रावसान कहा जाता है। राष्ट्रपति इस संबंध में प्रधानमंत्री की सलाह पर कार्य करते हैं। आमतौर पर सदन की बैठक अनिश्चित काल के लिए स्थगित होने के बाद सत्रावसान किया जाता है, हालांकि यह पहले भी हो सकता है।

कांग्रेस ने 543 सीटें स्थिर रखने की मांग की

कांग्रेस ने परिसीमन को लेकर लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों की संख्या अगले 25 वर्षों तक स्थिर रखने की मांग दोहराई है। पार्टी का कहना है कि इसी मौजूदा संख्या पर महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू किया जाना चाहिए और इसे 2029 के लोकसभा चुनाव से लागू किया जाए। कांग्रेस कार्य समिति ने भी महिला आरक्षण को तत्काल लागू करने के अपने संकल्प को दोहराया है।

अप्रैल में विधेयक नहीं जुटा पाया था दो-तिहाई बहुमत

कांग्रेस के अनुसार, 17 अप्रैल को संसद के बजट सत्र के दौरान लोकसभा में परिसीमन से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक दो-तिहाई बहुमत हासिल नहीं कर सका था। मत विभाजन में शामिल 528 सांसदों में 298 ने विधेयक के पक्ष और 230 ने विरोध में मतदान किया। संविधान संशोधन विधेयक पारित करने के लिए 352 मतों की आवश्यकता थी। दोनों सदनों की कार्यवाही अनिश्चित काल के लिए स्थगित होने के बाद जयराम रमेश ने दावा किया था कि सरकार के पास दो-तिहाई बहुमत नहीं है और वह इसे हासिल नहीं कर पाएगी। अब मानसून सत्र के औपचारिक सत्रावसान में देरी को लेकर कांग्रेस ने एक बार फिर परिसीमन के मुद्दे पर केंद्र सरकार की मंशा पर सवाल उठाए हैं।

मुंबई में ऑटो-रिक्शा ड्राइवरों की हड़ताल

मुंबई(ईएमएस)। मुंबई में ऑटो-रिक्शा ड्राइवरों ने सोमवार को सरकार के मराठी बोलने वाले नियम के विरोध में 3 दिन की हड़ताल बुलाई है। मराठी नहीं बोलने वाले ड्राइवरों का कहना है कि इससे उन पर ज्यादा बोझ पड़ेगा। प्रदर्शनकारी कांदिवली लिंक रोड पर विरोध किया। कई उम्रदराज ड्राइवरों का कहना है कि उन्होंने बिल्कुल पढ़ाई नहीं की है और 55-60 साल की उम्र में नई भाषा सीखना मुश्किल है। बुधवार को ट्रांसपोर्ट मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि ड्राइवरों को पहले नोटिस देकर 3 महीने में मराठी सीखने का मौका दिया जाएगा। इसके बाद भी मराठी नहीं सीखने पर लाइसेंस और बैज सस्पेंड किया जाएगा। राज्य में 20 अगस्त से उन ऑटो-रिक्शा और टैक्सी ड्राइवरों के खिलाफ अभियान शुरू हो गया है। कई ड्राइवरों को नोटिस भी दिया गया है।

पटना आ रही फ्लाइट से पक्षी टकराया

पटना(ईएमएस)। पटना एयरपोर्ट पर सोमावार सुबह बर्ड हिट का मामला सामने आया है। दिल्ली से 164 यात्रियों को लेकर पटना आ रही एअर इंडिया की फ्लाइट से पक्षी टकरा गया।अधिकारियों ने बताया कि फ्लाइट एआई 1741 सुबह 7:43 बजे सुरक्षित रूप से उतरी। एहतियात के तौर पर एयरपोर्ट अधिकारियों ने इमरजेंसी लैंडिंग प्रोटोकॉल लागू कर दिया था और फायर व अन्य संबंधित सेवाओं को तैनात कर दिया था। एयरपोर्ट अधिकारियों के अनुसार, एआई 1741 के पायलट ने रनवे के पास पहुंचते समय विमान के दाहिने टरबाइन के पास पक्षी के टकराने की आशंका जताई थी। लैंडिंग के बाद की जांच में पक्षी के टकराने की पुष्टि हुई, लेकिन इंजन को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। जरूरी जांच-पड़ताल के बाद विमान को दिल्ली लौटने की मंज़ूरी मिल गई। 160 यात्रियों वाली वापसी की फ्लाइट एआई 1852 में 79 मिनट की देरी हुई; यह सुबह 8.45 बजे के तय समय के बजाय सुबह 10.09 बजे रवाना हुई। एक हफ्ते के अंदर बिहार की राजधानी के जय प्रकाश नारायण एयरपोर्ट पर एयरलाइन के साथ हुई यह दूसरी ऐसी घटना है।

सात साल बाद भारत आ सकते हैं शी जिनपिंग: ब्रिक्स में होंगे शामिल

नई दिल्ली (ईएमएस)। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग अगले महीने भारत दौरे पर आ सकते हैं। उनका यह दौरा करीब सात साल बाद होगा। शी जिनपिंग के नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स सम्मेलन में शामिल होने की संभावना जताई गई है। भारत इस साल ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है और 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में शिखर सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। हालांकि, चीन की ओर से अभी तक शी जिनपिंग की यात्रा की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। सूत्रों के मुताबिक, चीन के अधिकारी शी जिनपिंग की यात्रा को लेकर होटल और सुरक्षा व्यवस्था को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, शी जिनपिंग के साथ करीब 400 अधिकारियों का बड़ा प्रतिनिधिमंडल भारत आ सकता है। यह संख्या 2019 में भारत दौरे के दौरान उनके साथ आए प्रतिनिधिमंडल से दोगुने से भी अधिक होगी। शी जिनपिंग की प्रस्तावित यात्रा भारत और चीन के बीच संबंधों के लिहाज से भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। वर्ष 2020 में पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हुई हिंसक झड़प के बाद दोनों देशों के रिश्तों में तनाव बढ़ गया था। हालांकि, 2024 में सीमा पर सैनिकों के पीछे हटने की प्रक्रिया के बाद दोनों पक्षों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की कोशिशें तेज हुई हैं। इस बीच, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल भी सीमा विवाद को लेकर चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ वार्ता के लिए बीजिंग पहुंचे हैं। ऐसे में शी जिनपिंग का भारत दौरा दोनों देशों के बीच संबंध सुधारने की दिशा में अहम संकेत माना जा रहा है।

अमेरिका में एच-1बी वीजा पर फिर बड़ा झटका, शुल्क 1 लाख डॉलर से ज्यादा करने की तैयारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। अमेरिका में काम करने वाले विदेशी पेशेवरों, खासकर भारतीयों के लिए बड़ी खबर सामने आई है। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने नए एच-1बी वीजा के शुल्क को बढ़ाकर 1,03,265 अमेरिकी डॉलर करने का प्रस्ताव रखा है। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग ने यह प्रस्ताव जारी किया है। मौजूदा व्यवस्था की तुलना में यह कई गुना बड़ी बढ़ोतरी है। प्रस्ताव लागू होने पर अमेरिका में विशेष कौशल वाले विदेशी कर्मचारियों को नियुक्त करने वाली कंपनियों पर भारी आर्थिक बोझ पड़ेगा। एच-1बी वीजा अमेरिकी कंपनियों को विशेष कौशल वाले विदेशी कर्मचारियों को नौकरी देने की अनुमति देता है। तकनीक, शोध और अन्य क्षेत्रों में भारतीय पेशेवर इस व्यवस्था का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल करते हैं। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2024 में स्वीकृत एच-1बी याचिकाओं में भारतीय मूल के लाभार्थियों की हिस्सेदारी करीब 71 प्रतिशत थी। ऐसे में प्रस्तावित शुल्क वृद्धि का सबसे बड़ा असर भारतीय पेशेवरों और उन्हें नियुक्त करने वाली कंपनियों पर पड़ने की आशंका है। प्रस्ताव फिलहाल अंतिम नियम नहीं है। इसे लेकर 30 दिनों तक सार्वजनिक टिप्पणियां मांगी जाएंगी और इसके बाद सरकार अंतिम फैसला ले सकती है। यह कदम उस 1 लाख डॉलर के शुल्क को स्थायी रूप देने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है, जिसे ट्रंप प्रशासन ने पिछले साल लागू किया था, लेकिन अदालत में इसे चुनौती दी गई थी। इसके अलावा अमेरिकी प्रशासन एच-1बी से जुड़े नियमों को और सख्त करने की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है। ऐसे में भारतीय तकनीकी पेशेवरों और अमेरिकी कंपनियों के लिए आने वाला समय महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

क्लोरीन गैस लीक, 40 से ज्यादा लोग बीमार

नागपुर(ईएमएस)। महाराष्ट्र के नागपुर के गोधनी इलाके में देर रात करीब 1 बजे वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट से क्लोरीन गैस लीक हो गई। 900 किलो क्षमता वाले सिलेंडर से गैस निकलकर आसपास के रिहायशी इलाकों में फैल गई। इससे 40 से ज्यादा लोगों की तबीयत बिगड़ गई। कई लोगों को खांसी और सांस लेने में परेशानी हुई। पुलिस और प्रशासन ने आसपास के लोगों को सुरक्षित जगह जाने की सलाह दी। घटना की सूचना मिलते ही नगर निगम की फायर ब्रिगेड, ऑरेंज सिटी वाटर और हृष्ठक्रस्न की टीमें मौके पर पहुंचीं। कुछ लोगों को स्पर्श अस्पताल और मेयो अस्पताल ले जाया गया। करीब साढ़े चार घंटे चले ऑपरेशन के बाद गैस रिसाव की तीव्रता कम हुई। टीम ने सिलेंडर को निकालकर कास्टिक सोडा वाले पानी के टैंक में डुबो दिया, जिससे जहरीली गैस को न्यूट्रलाइज किया जा सके।

केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो ने ऑपरेशन ब्लैक हॉक में अंतर्राज्यीय हेरोइन सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया

■ जब्त की 18.6 किलोग्राम से अधिक कच्ची हेरोइन: अंतर्राज्यीय तस्करी नेटवर्क के तीन सदस्य गिरफ्तार

पीआईबी दिल्ली, 24 अगस्त। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो की मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश इकाइयों के अधिकारियों ने लखनऊ, उत्तर प्रदेश के पास लगातार चलाए गए अभियानों में ऑपरेशन ब्लैक हॉक को सफलतापूर्वक अंजाम दिया और कुल 18.64 किलोग्राम कच्ची हेरोइन जब्त की। इस अभियान में अंतर्राज्यीय तस्करी नेटवर्क के तीन प्रमुख सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। यह प्रतिबंधित मादक पदार्थ उत्तर-पूर्वी राज्य से आया था और उत्तर प्रदेश में खपत के लिए तस्करी किया जा रहा था।

पूर्वोत्तर क्षेत्र से लखनऊ तक मादक पदार्थों की आवाजाही के संबंध में सीबीएन एमपी यूनिट से प्राप्त पहली सटीक जानकारी के आधार पर सीबीएन एमपी और यूपी यूनिट की संयुक्त टीमों ने 20-21 अगस्त 2026 की मध्य रात्रि को सुल्तानपुर-लखनऊ राजमार्ग पर घेराबंदी की।

विभिन्न टोल प्लाजा पर लगातार निगरानी के बाद 21 अगस्त को स्ट्राइक टीम ने लखनऊ के पास असम में पंजीकृत एक हुंडई क्रेटा को रोका। गाड़ी खाली पाई गई और उसमें सवार लोगों ने खुद को निर्दोष बताया। अभियान में शामिल अधिकारियों को तब संदेह हुआ जब पूछताछ करने पर गाड़ी में सवार लोगों ने बताया कि उन्होंने मात्र 500 किलोमीटर की दूरी में चार बार ईंधन भरवाया था। ईंधन टैंक की भौतिक जांच करने पर उसमें से खोखली आवाज आने की पुष्टि हुई। लखनऊ स्थित सीबीएन कार्यालय में तकनीकी सहायता लेकर ईंधन टैंक को खोला गया जिससे एक विशेष रूप से निर्मित डिब्बा मिला जिसमें 16.46 किलोग्राम कच्ची हेरोइन से भरे 25 वाटरप्रूफ पैकेट थे। दोनों संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया गया। सीबीएन यूपी यूनिट द्वारा जुटाई गई एक अन्य महत्वपूर्ण खुफिया जानकारी से पता चला कि सिलीगुड़ी-लखनऊ कॉरिडोर पर एक भारी ट्रक प्रतिबंधित सामान ले जा रहा था। सीबीएन की टीमों ने कई टोल प्लाजों से गुजरते हुए वाहन का पीछा किया और बाराबंकी के पास उसे रोक लिया। कड़ी तलाशी में वाहन के ढांचे के भीतर विशेष रूप से निर्मित एक गुप्त कक्ष में 2.16 किलोग्राम कच्ची हेरोइन छिपाई हुई मिली। इस मामले में एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया गया।

तीनों संदिग्धों पर मादक औषधि एवं मनोविकृत पदार्थ अधिनियम, 1985 की कड़ी धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है । परिवहन वाहन और पूरी प्रतिबंधित खेप जब्त कर ली गई है। पूर्वोत्तर में मुख्य आपूर्तिकर्ताओं का पता लगाने और उनसे जुड़े वितरण चैनलों को नष्ट करने के लिए व्यापक वित्तीय और रसद संबंधी जांच चल रही है।

वलसाड जिला कलेक्टर नितिन सांगवान ने सड़क सुरक्षा मित्र कार्यक्रम के तहत माय भारत स्वयंसेवकों के लिए सड़क सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम की अध्यक्षता की

कलेक्टर ने छात्रों से सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और ट्रैफ़िक मैनेजमेंट को और बेहतर बनाने के लिए कहा

असली आज़ादी न्यूज नेटवर्क, वलसाड, 24 अगस्त। वलसाड ज़िला कलेक्टर नितिन सांगवान की अध्यक्षता में सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज में सड़क सुरक्षा मित्र कार्यक्रम के आयोजन अंतर्गत किया गया। जिसमें माय भारत के स्वयंसेवकों, ज़िले के वरिष्ठ अधिकारियों और सड़क सुरक्षा विशेषज्ञों ने भाग लिया।

छात्रों को संबोधित करते हुए नितिन सांगवान ने सड़क सुरक्षा के महत्व पर ज़ोर दिया और छात्रों को सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और ट्रैफ़िक मैनेजमेंट को और प्रभावी बनाने के लिए नए और व्यावहारिक समाधान खोजने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मार्गदर्शन आर्मी हेडक्वार्टर, नई दिल्ली के पूर्व निदेशक कर्नल संजीव कुमार शर्मा और CoERS, IIT मद्रास के सड़क सुरक्षा लीडर पंकज मेहरा ने किया। माय भारत वलसाड के ज़िला युवा अधिकारी आयुष चौधरी ने स्वयंसेवकों से प्रशिक्षण को गंभीरता से लेने, फील्ड में काम करने के लिए तैयार रहने और इस अवसर का उपयोग करके गुड समैरिटन और ज़िम्मेदार नागरिक बनने की अपील की। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण सहयोग के लिए NSS प्रोग्राम ऑफ़िसर (NSS PO) जिग्नेश जोशी और प्रोफ़ेसर नेहा पटेल का भी धन्यवाद किया। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद, इन स्वयंसेवकों को ज़िला सड़क सुरक्षा समिति के समन्वय से फील्ड में तैनात किया जाएगा। वे सड़क सुरक्षा गतिविधियों, जन-जागरूकता और सड़क सुरक्षा से जुड़े विभिन्न फील्ड-स्तरीय कार्यों में योगदान देंगे। यह कार्यक्रम सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH) और युवा मामले और खेल मंत्रालय की एक संयुक्त पहल है, जिसे देश के सड़क दुर्घटनाओं की दृष्टि से संवेदनशील 100 ज़िलों में लागू करने के लिए अगस्त 2025 में शुरू किया गया था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवा स्वयंसेवकों को दुर्घटना वाले हॉटस्पॉट की वैज्ञानिक पहचान, आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली और सड़क सुरक्षा में सामुदायिक भागीदारी के लिए सशक्त बनाना है। इस कार्यक्रम के तहत, माय भारत के स्वयंसेवकों को सड़क सुरक्षा पर विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिसके बाद वे सड़क सुरक्षा मित्र के रूप में काम करेंगे। स्वयंसेवकों को MoRTH के मार्गदर्शन में स्थापित सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फ़ॉर रोड सेफ़्टी (CoERS), IIT मद्रास द्वारा तकनीकी सहायता और प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में प्रोबेशनरी IAS पीयूष घटाला, डॉ. वी. डी. धीमान (प्रिंसिपल, गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज, वलसाड), डी. ए. पटेल (RTO, वलसाड) और पार्थ पटेल (RTO इंस्पेक्टर, वलसाड) मौजूद थे।

खानवेल में जोन स्तरीय क्विज प्रतियोगिता आयोजित: केंद्रशाला खानवेल गुजराती माध्यम बनी विजेता

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 24 अगस्त। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रशासन के शिक्षा विभाग के समग्र शिक्षा कार्यक्रम के तहत खानवेल में जोन स्तरीय प्रश्नमंच (क्विज) प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का आयोजन सहायक शिक्षा निदेशक परितोष शुक्ला एवं प्राथमिक शिक्षा अधिकारी जयेश भंडारी के मार्गदर्शन में हुआ। विद्यार्थियों में गणित, विज्ञान एवं सामान्य ज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाने तथा उन्हें प्रतस्पिर्धी माहौल में आवश्यक अनुभव और प्रोत्साहन प्रदान करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष इस तरह की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष आयोजित प्रतियोगिता में सीआरसी खानवेल के गुजराती एवं मराठी माध्यम की कुल 11 प्राथमिक प्रतियोगिताओं के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। केंद्रशाला खानवेल ने प्रथम स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता में केंद्रशाला खानवेल (गुजराती माध्यम) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर विजेता का खिताब अपने नाम किया। विजेता टीम को रूपये 3,500 नकद पुरस्कार, प्रमाणपत्र एवं प्रोत्साहन स्वरूप अकादमी किट प्रदान की गई। वहीं प्राथमिक मराठी केंद्र शाला खानवेल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। उपविजेता टीम को रूपये 2,500 नकद, प्रमाणपत्र एवं अकादमी किट देकर सम्मानित किया गया। प्राथमिक गुजराती शाला गोरतपाड़ा ने तृतीय स्थान हासिल किया, जिसे रूपये 1,500 नकद, प्रमाणपत्र एवं अकादमी किट प्रदान की गई। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों को भी प्रमाणपत्र एवं उपहार देकर प्रोत्साहित किया गया। जोन स्तर पर विजेता बनी टीम अब संघ प्रदेश स्तर की क्विज प्रतियोगिता में भाग लेगी। कार्यक्रम में खानवेल ब्लॉक के बीआरसी को-ऑर्डिनेटर मनोज पटेल, गुजराती माध्यम के आचार्य शैलेश देसाई, मराठी माध्यम के आचार्य जे. बी. पटेल, सीआरसी को-ऑर्डिनेटर कृतिका सूरमा तथा बिमलसिंह राजपूत विशेष रूप से उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम का सफल संचालन गुजराती माध्यम के सीआरसी को-ऑर्डिनेटर संजय चौधरी द्वारा किया गया। प्रतियोगिता ने विद्यार्थियों में ज्ञान, आत्मविश्वास और प्रतस्पिर्धी भावना को बढ़ावा देने के साथ-साथ उन्हें आगामी उच्च स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए भी तैयार किया।

राजपुरोहित सेवा संगठन ने वसुंधरा विद्यापीठ इंग्लिश स्कूल के बच्चों को कराया तिथि भोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 24 अगस्त। वसुंधरा विद्यापीठ इंग्लिश स्कूल खेरड़ी में आज राजपुरोहित सेवा संगठन सिलवासा की ओर से स्कूल के बच्चों के लिए भोजन प्रसादी का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य में संगठन के सदस्य श्यामसिंह राजपुरोहित, चंद्रशेखर, भवरसिंह, गोपालसिंह, अरविंदसिंह, सुजानसिंह सभी उपस्थित रहे और बच्चों के साथ स्नेहपूर्वक समय बिताते रहे। बच्चों के चेहरे पर मुस्कान और संगठन के सेवाभाव को देखकर पूरा माहौल खुशी से भर गया।

(पेज 8 का शेष समाचार)

जेम्स ऑफ इंडिया पहल के तहत देव की प्रतिभाओं एवं अनूठी विरासत को राष्ट्रीय...

दीव की समृद्ध एवं अनूठी ऐतिहासिक धरोहर, संस्कृति, परम्परा, प्राकृतिक सौंदर्य, स्थानीय विशेषताओं तथा यहां की प्रतिभाओं को देशभर के सामने प्रस्तुत किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि दीव में ऐसी अनेक अनूठी विरासतें, कहानियां और प्रतिभाएं मौजूद हैं, जिन्हें राष्ट्रीय मंच पर पहचान दिलाने की आवश्यकता है। जेम्स ऑफ इंडिया के माध्यम से स्थानीय कंटेंट क्रिएटर्स एवं प्रतिभाशाली व्यक्तियों को अपनी कलात्मक और प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा तथा दीव की विशिष्ट पहचान को देश के कोने-कोने तक पहुंचाया जा सकेगा। इस अवसर पर उपसमाहर्ता शिवम मिश्रा ने सभी उपस्थित प्रतिभागियों से अधिक से अधिक संख्या में जेम्स ऑफ इंडिया पहल में सक्रिय सहभागिता करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि दीव की ऐतिहासिक विरासत, संस्कृति, पर्यटन स्थल, स्थानीय परंपराओं एवं प्रतिभाओं को प्रभावी ढंग से राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत करने में प्रत्येक व्यक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों से दीव की विशिष्ट पहचान को देश के सामने और अधिक प्रभावी ढंग से रखा जा सकता है तथा इस प्रकार संघ प्रदेश का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया जा सकता है। बैठक के दौरान उपस्थित मीडिया उपस्थित, कंटेंट क्रिएटर्स एवं शिक्षा अधिकारियों ने जेम्स ऑफ इंडिया पहल में सक्रिय सहयोग एवं सहभागिता के प्रति अपनी बढ़ने वाले व्यक्त की।

क्रिकेट के बहाने सत्ता, सुरक्षा और कूटनीति का अंदरूनी सच

कुमार कृष्णन

पूर्व खुफिया एवं सुरक्षा अधिकारी यशोवर्धन आजाद की पुस्तक 'पॉलिसिंग द रिपब्लिक' इस यात्रा के कुछ ऐसे पहलुओं को सामने लाती है, जो बताते हैं कि भारत-पाकिस्तान क्रिकेट संबंधों में खेल से कहीं अधिक महत्वपूर्ण सुरक्षा और रणनीतिक गणनाएं होती रही हैं। पुस्तक में आजाद ने अपने लंबे अनुभव के आधार पर पुलिस व्यवस्था, भ्रष्टाचार, आतंकवाद, अपराध, राजनीतिक हस्तक्षेप और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े प्रश्नों पर चर्चा की है।

क्रिकेट को भारत और पाकिस्तान के बीच संबंधों में अक्सर केवल खेल के रूप में देखा जाता है। लेकिन दोनों देशों के इतिहास में क्रिकेट कई बार कूटनीति का माध्यम भी बना है और कई बार सुरक्षा तथा राजनीति की जटिलताओं का आईना भी। वर्ष 2004 का भारत का पाकिस्तान दौरा इसका महत्वपूर्ण उदाहरण है। एक दशक से अधिक समय बाद भारतीय क्रिकेट टीम पाकिस्तान गई थी। इसे 'मैत्री दौरा' कहा गया और उस समय दोनों देशों के बीच संबंधों को सामान्य बनाने की कोशिशें चल रही थीं। हालांकि मैदान पर दिखाई देने वाले खेल के पीछे सुरक्षा, खुफिया जानकारी और राजनीतिक निर्णयों की एक जटिल कहानी थी।

पूर्व खुफिया एवं सुरक्षा अधिकारी यशोवर्धन आजाद की पुस्तक 'पॉलिसिंग द रिपब्लिक' इस यात्रा के कुछ ऐसे पहलुओं को सामने लाती है, जो बताते हैं कि भारत-पाकिस्तान क्रिकेट संबंधों में खेल से कहीं अधिक महत्वपूर्ण सुरक्षा और रणनीतिक गणनाएं होती रही हैं। पुस्तक में आजाद ने अपने लंबे अनुभव के आधार पर पुलिस व्यवस्था, भ्रष्टाचार, आतंकवाद, अपराध, राजनीतिक हस्तक्षेप और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े प्रश्नों पर चर्चा की है।

वर्ष 2004 के पाकिस्तान दौरे से जुड़ा एक प्रसंग विशेष रूप से ध्यान खींचता है। पाकिस्तान के तत्कालीन राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ कराची में एक टेस्ट मैच आयोजित करना चाहते थे। लेकिन भारतीय सुरक्षा व्यवस्था ने कराची और पेशावर को टेस्ट मैच के लिए उपयुक्त नहीं माना था। आजाद उस समय भारतीय टीम की सुरक्षा से जुड़े दल में थे। सुरक्षा आकलन के बाद कराची और पेशावर में टेस्ट मैच नहीं कराने की सलाह दी गई थी। मुल्तान, रावलपिंडी और लाहौर को टेस्ट मैचों के लिए अपेक्षाकृत सुरक्षित माना गया।

इसी बीच आजाद को तत्कालीन उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी का फोन आया। आडवाणी ने उनसे पूछा कि क्या कराची में टेस्ट मैच कराने पर पुनर्विचार किया जा सकता है। आजाद ने सुरक्षा संबंधी कारणों की जानकारी दी। इसके बाद उनसे कहा गया कि वे इस मामले को खुफिया ब्यूरो के निदेशक के सामने उठाएं। आडवाणी स्वयं भी इस संबंध में खुफिया ब्यूरो के निदेशक से बात करने वाले थे।

आजाद के अनुसार, उन्हें यह जानकर भी आश्चर्य हुआ कि यह आग्रह सीधे उपप्रधानमंत्री तक कैसे पहुंचा। बाद में उन्हें विदेश मंत्रालय में पाकिस्तान संबंधी जिम्मेदारी संभाल रहे अधिकारी अरुण सिंह से पता चला कि यह स्वयं राष्ट्रपति मुशर्रफ का अनुरोध था। लेकिन अंततः सुरक्षा सलाह को प्राथमिकता दी गई और सुरक्षा दल द्वारा सुझाए गए कार्यक्रम में बदलाव नहीं किया गया।

यह प्रसंग इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें कूटनीति और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच संतुलन दिखाई देता है। एक ओर पाकिस्तान के राष्ट्रपति की इच्छा थी और दूसरी ओर भारतीय सुरक्षा एजेंसियों का पेशेवर आकलन। राजनीतिक नेतृत्व के सामने विकल्प था कि वह कूटनीतिक अवसर को प्राथमिकता दे या सुरक्षा संबंधी सलाह को। अंततः सुरक्षा आकलन को स्वीकार करना यह बताता है कि संवेदनशील मामलों में राजनीतिक नेतृत्व और पेशेवर सुरक्षा तंत्र के बीच संवाद तो जरूरी है, लेकिन निर्णय लेते समय सुरक्षा संबंधी

तथ्यों की अनदेखी नहीं की जा सकती।

2004 का पाकिस्तान दौरा सामान्य क्रिकेट दौरा भी नहीं था। भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट संबंध लंबे समय से राजनीतिक तनाव की छाया में रहे थे। ऐसे समय में भारतीय टीम का पाकिस्तान जाना दोनों देशों के बीच विश्वास बहाली की बड़ी कोशिश के रूप में देखा गया। मैदान पर खिलाड़ी थे, दर्शकों में उत्साह था और राजनीतिक नेतृत्व के लिए यह संबंध सुधारने का अवसर था। लेकिन सुरक्षा एजेंसियों के लिए वही दौरा अत्यंत संवेदनशील अभियान था।

आजाद ने कराची में होने वाले एकदिवसीय मैच से पहले पैदा हुई सुरक्षा चिंताओं का भी उल्लेख किया है। उनके अनुसार, भारतीय टीम को आतंकवादी खतरे की सूचना मिली थी। इसी दौरान 11 मार्च 2004 को स्पेन के मैड्रिड में रेलगाड़ियों में बम विस्फोट हुए, जिनमें 193 लोगों की मौत हुई और करीब दो हजार लोग घायल हुए। उस समय पाकिस्तान के कबायली और शहरी क्षेत्रों में अल-कायदा के शीर्ष कार्यकर्ताओं की मौजूदगी के बारे में भी खुफिया जानकारी थी।

भारतीय टीम की सुरक्षा व्यवस्था संभाल रहे आजाद के सामने चुनौती केवल खतरे को पहचानने की नहीं थी, बल्कि यह तय करने की भी थी कि खिलाड़ियों को कितनी जानकारी दी जाए। उन्होंने टीम के प्रबंधक आर. एस. शेट्टी और प्रशिक्षक जॉन राइट के साथ इस सूचना को साझा किया और तत्काल इसे सार्वजनिक नहीं करने का निर्णय लिया। अगले दिन भारतीय टीम को कराची में एकदिवसीय मैच खेलना था।

इसके बाद इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग से भी भारतीय टीम को आतंकवादी खतरे की सूचना मिली। यह सूचना खुफिया स्रोत से प्राप्त हुई थी और उसमें विशेष रूप से कराची तथा भारतीय टीम का उल्लेख था। हालांकि खतरे का विस्तृत विवरण उपलब्ध नहीं था, फिर भी इसे गंभीरता से लिया गया। टीम का सामान पहले ही तैयार करवा दिया गया, ताकि मैच समाप्त होते ही भारतीय टीम सीधे हवाई अड्डे के लिए रवाना हो सके।

यह प्रसंग बताता है कि सुरक्षा व्यवस्था केवल हथियारबंद सुरक्षाकर्मियों की तैनाती का नाम नहीं है। इसमें यात्रा की समय-सारणी, खिलाड़ियों की गतिविधियां, सामान की आवाजाही, आने-जाने के रास्ते, संभावित खतरे और आपात स्थिति में तत्काल निकासी की योजना तक शामिल होती है। किसी संवेदनशील देश में राष्ट्रीय टीम का दौरा अपने आप में एक जटिल सुरक्षा अभियान बन जाता है।

इस गंभीर वातावरण के बीच आजाद की पुस्तक में सचिन तेंदुलकर से जुड़ा एक दिलचस्प प्रसंग भी है। इस्लामाबाद हवाई अड्डे पर तेंदुलकर ने काले सूट और काले ब्रीफकेस लिए खड़े सुरक्षाकर्मियों की ओर संकेत करते हुए मासूमियत से पूछा कि क्या वे ह्यपरमाणु बटनह्ण लेकर खड़े हैं। जब आजाद ने उन्हें जैमर के बारे में बताया तो तेंदुलकर ने उससे जुड़े कई सवाल किए। यह प्रसंग सुरक्षा के गंभीर संसार के बीच एक मानवीय और हल्का क्षण सामने लाता है। लेकिन 'पॉलिसिंग द रिपब्लिक' की महत्ता केवल ऐसे रोचक प्रसंगों में नहीं है। पुस्तक की वास्तविक उपयोगिता इस बात में है कि लेखक ने सत्ता, पुलिस और सुरक्षा तंत्र को भीतर से देखा है। उन्होंने अपने अनुभवों के आधार पर यह समझाने का प्रयास किया है कि अपराध, भ्रष्टाचार, आतंकवाद और राजनीतिक हस्तक्षेप से निपटने वाली संस्थाओं के सामने किस तरह की चुनौतियां होती हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षा का सवाल आज पहले से अधिक जटिल हो गया है। आतंकवाद के साथ-साथ साइबर अपराध, संगठित अपराध, सीमा पार से आने वाले खतरे और सूचना के दुरुपयोग जैसी नई चुनौतियां भी सामने हैं। ऐसे समय में सुरक्षा संस्थाओं की पेशेवर क्षमता के साथ उनकी जवाबदेही भी महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र में सुरक्षा और नागरिक अधिकारों के बीच संतुलन बनाए रखना किसी भी सरकार के लिए बड़ी चुनौती है।

2004 का कराची टेस्ट प्रसंग इसी संस्थागत विवेक का उदाहरण है। पाकिस्तान के राष्ट्रपति की इच्छा थी, भारत के राजनीतिक नेतृत्व के सामने कूटनीतिक अवसर था, लेकिन सुरक्षा आकलन ने जोखिम की ओर संकेत किया। अंततः टेस्ट मैच के कार्यक्रम में बदलाव नहीं किया गया। उस समय यह निर्णय शायद केवल क्रिकेट कार्यक्रम से जुड़ा मामला लगा हो, लेकिन वर्षों बाद सामने आए विवरण इसे राष्ट्रीय सुरक्षा और निर्णय प्रक्रिया को समझने का महत्वपूर्ण उदाहरण बना देते हैं।

भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में क्रिकेट की भूमिका हमेशा दोहरी रही है। यह कभी जनता को जोड़ने का माध्यम बना, तो कभी दोनों देशों के तनाव का प्रतीक। 2004 का दौरा उस दौर की उम्मीदों का प्रतिनिधित्व करता था जब दोनों देशों के बीच संबंध सुधारने की कोशिश हो रही थी। सौरव गांगुली की कप्तानी में भारत ने एकदिवसीय श्रृंखला 3-2 से और टेस्ट श्रृंखला 2-1 से जीती। लेकिन स्कोरबोर्ड से परे इस दौरे की सबसे महत्वपूर्ण कहानी सुरक्षा और कूटनीति की थी।

आजाद की पुस्तक का व्यापक संदेश भी यही है कि गणतंत्र की सुरक्षा केवल पुलिस या खुफिया एजेंसियों की जिम्मेदारी नहीं है। इसके लिए मजबूत संस्थाएं, पेशेवर निर्णय, राजनीतिक संयम, जवाबदेही और नागरिक अधिकारों के प्रति सम्मान आवश्यक है। सुरक्षा तंत्र को राजनीतिक दबाव से मुक्त रखते हुए उसकी लोकतांत्रिक जवाबदेही सुनिश्चित करना किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियादी आवश्यकता है।

इस दृष्टि से 'पॉलिसिंग द रिपब्लिक' केवल एक पूर्व अधिकारी का संस्मरण नहीं है। यह उस व्यवस्था के भीतर झांकने का अवसर देती है, जहां सार्वजनिक रूप से दिखाई देने वाले निर्णयों के पीछे अनेक स्तरों पर विचार और जोखिम का आकलन चलता है। कराची का वह टेस्ट मैच अंततः नहीं हुआ, लेकिन उसके पीछे की कहानी अब सामने आई है।

क्रिकेट के मैदान पर मैच होते हैं, श्रृंखलाएं जीती और हारी जाती हैं और रिकॉर्ड बनते हैं। लेकिन किसी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट दौरे की सफलता केवल खेल परिणामों से तय नहीं होती। उसके पीछे कूटनीति, खुफिया जानकारी, सुरक्षा आकलन और राजनीतिक निर्णय भी काम करते हैं।

2004 का पाकिस्तान दौरा इस बात का प्रमाण है कि कभी-कभी कोई मैच इसलिए भी इतिहास का हिस्सा बन जाता है क्योंकि वह खेला नहीं गया। कराची में टेस्ट मैच न कराने का फैसला उस समय शायद एक प्रशासनिक निर्णय था, लेकिन आज वह भारत-पाकिस्तान संबंधों, राष्ट्रीय सुरक्षा और राजनीतिक निर्णय प्रक्रिया के बीच जटिल संबंधों को समझने का महत्वपूर्ण दस्तावेज बन गया है।

यशोवर्धन आजाद की 'पॉलिसिंग द रिपब्लिक' ऐसे ही पर्दे के पीछे के संसार को सामने लाती है। इसका महत्व क्रिकेट से आगे जाकर उस प्रश्न में है कि लोकतांत्रिक गणराज्य अपनी सुरक्षा कैसे सुनिश्चित करता है और संकट के समय राजनीतिक नेतृत्व तथा सुरक्षा संस्थाएं किस तरह निर्णय लेती हैं। यही इस पुस्तक को समकालीन भारतीय लोकतंत्र और राष्ट्रीय सुरक्षा पर एक महत्वपूर्ण संस्मरणात्मक दस्तावेज बनाता है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

महंगी चीनी, आयात क्यों?

भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा चीनी उत्पादक, निर्यातक और खपत वाला देश है। उससे आगे ब्राजील ही है। एक अच्छे साल और अच्छी फसल के मद्देनजर भारत औसतन 70 लाख टन चीनी निर्यात करता रहा है, लेकिन 280-285 लाख टन की घरेलू खपत को सुनिश्चित करने के बाद ही निर्यात किया जाता है। इस साल भी तमाम स्थितियों के बाद 41 लाख टन से अधिक चीनी 'अतिरिक्त भंडारण' में है, फिर भी बीते गुरुवार, 20 अगस्त, को 10 लाख टन कच्ची चीनी आयात करने की अनुमति सरकार ने दी है। बेशक यह चीनी शुल्क-मुक्त होगी। आयात की यह नौबत 10 साल के बाद आई है। मोदी सरकार ने 30 सितंबर, 2026 तक सभी तरह की चीनी के निर्यात पर पाबंदी थोप रखी है। दरअसल मई के बाद जब चीनी मिलों के बड़े व्यापारी और एसोसिएशन के पदाधिकारी प्रधानमंत्री मोदी और कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मिले थे, तो उन्होंने दावा किया था कि इस साल 343.5 लाख टन चीनी का उत्पादन संभव है, लिहाजा निर्यात खोल दिया जाए। सरकार ने उनके आंकड़ों पर भरोसा किया और निर्यात खोल दिया, लेकिन जब हकीकत खुलने लगी, तो उत्पादन 279 लाख टन पर आकर ठहर गया, जबकि देश में चीनी की खपत 280-285 लाख टन आंकी गई है। नतीजा यह हुआ कि जो चीनी 21 जुलाई को करीब 45 रुपए प्रति किलो बिक रही थी, वह 31 जुलाई को उछल कर 50 रुपए हो गई और बीते शुक्रवार, 21 अगस्त, को 65 रुपए चीनी का भाव हो गया। एक ही महीने में चीनी 20 रुपए महंगीह्व! स्थितियों को भांपते हुए बड़े व्यापारियों, थोक विक्रेता, थोक के औद्योगिक उपभोक्ताओं ने जुलाई से पहले ही चीनी की जमाखोरी शुरू कर दी, ताकि त्योहारों के मौसम में अधिक दामों पर चीनी बेचकर मुनाफे कमाए जा सकें। अगस्त में कई चीनी मिलों ने बिक्री ही रोक दी। वे भी मुनाफाखोरी, कालाबाजारी की जमात में खड़ी हो गईं। अब 20 अक्तूबर को दशहरा है और 8 नवंबर को दिवाली है। भारत के दोनों ही राष्ट्रीय त्योहार हैं, लेकिन उनसे पहले ही चीनी की मिठास 'कड़वी' हो गई है। एथेनॉल को 'खलनायक' बनाया जा रहा है, जो सरासर गलत है। हालांकि हम ई-20 नीति के पक्षधर नहीं हैं, क्योंकि भारत सरकार तमाम पारदर्शी जवाब नहीं दे पाई है। ई-20 का देश में जबरदस्त विरोध किया जा रहा है। नवंबर, 2025 से जुलाई, 2026 के दौरान तेल कंपनियों को 810.67 करोड़ लीटर एथेनॉल सप्लाई किया गया है। उसमें से 259.24 करोड़ लीटर, अर्थात 32 फीसदी, गन्ने से तैयार किया गया है, जबकि शेष 68 फीसदी एथेनॉल मक्का, शीरे, भारतीय खाद्य निगम के चावल और टूटे या सड़े-खराब अनाज से बनाया गया है। पहले 34 लाख टन चीनी को एथेनॉल बनाने के लिए तय किया जाना था, लेकिन उत्पादन कम होने के कारण 30 लाख टन चीनी एथेनॉल बनाने को मुहैया कराई गई। उसके बावजूद भंडारों में चीनी उपलब्ध थी। तो सवाल है कि चीनी का आयात क्यों किया जा रहा है? चीनी खुदरा बाजार में महंगी क्यों होती जा रही है? क्या जमाखोरों, मुनाफाखोरों, बिचौलिया ताकतों और वर्चस्ववादी मिलों पर सरकार का कोई नियंत्रण नहीं है, क्योंकि ये ह्यकालाबाजारीह्ण बार-बार उभर कर सामने आते हैं? इस खेल में बेचारा किसान तो गायब है। खुद भारत सरकार मानती है कि किसान की औसत आय 10,000 रुपए माहवार से भी कम है। तो महंगी चीनी के मुनाफे किसकी जेब में गए? जाहिर है कि जमाखोर दलाल 'अमीर' बनते रहे। दरअसल हम चीनी की कमी और महंगाई को न तो खाद्य-संकट मानते हैं और न ही यह राष्ट्रीय अराजकता का कारण बन सकती है। अलबत्ता मल्लिकार्जुन खडगे और अखिलेश यादव सरीखे विपक्षी नेता 'राजनीति' जरूर करेंगे। बहरहाल विशेषज्ञों का मानना है कि महाराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात में गन्ने की फसल, बीते साल सितंबर-अक्तूबर में, अधिक बारिश से प्रभावित हुई थी। नतीजतन उत्पादन कम हुआ और भंडारण 9 साल के सबसे निचले स्तर पर आ गया। इस साल भी जून में बहुत कम बारिश हुई। खासकर महाराष्ट्र और कर्नाटक में। मॉनसून भी असंतुलित रहा।

वन्देमातरम् विवाद- राष्ट्रगान पर राजनीतिः विभाजन के प्रयास.....?

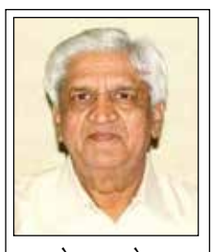

ओमप्रकाश मेहता

आज यदि सबसे अधिक दुःखी आत्मा होगी तो वह राष्ट्रभक्त बंकिमचन्द्र चटोपाध्याय की होगी, जिनकी अनुपम कृति ह्यवन्दे मातरम्ह्ण पर राजनीति हावी हो गई है। खासकर इस राष्ट्रीय गीत के छंदों को लेकर जंग छिड़ी है, पिछले नौ दशक से इसके दो ही छंद गाए जाते रहे है, जबकि इसके कुल मिलाकर आठ छंद है, अब देश के गृहमंत्री ने इसी को राजनीतिक विवाद की मुख्य बना दिया है तथा इसी आधार पर प्रमुख प्रतिपक्षी दल कांग्रेस को घेरने का प्रयास किया जा रहा है। गृहमंत्री का कहना है कि कांग्रेस मुस्लिम तुष्टिकरण के कारण फिर पुरानी गलती को दोहरा रही है।

वास्तव में इस विवाद की शुरूआत स्वतंत्रता दिवस के दिन उस समय हुई जब दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में ध्वज वंदन के समय सोनिया गांधी एक कार्यकर्ता को कोई निर्देश दे रही थी, आरोप है कि सोनिया ने राष्ट्रगान का अपमान किया और वे राष्ट्रभक्ति पसंद नही करती। यद्यपि आज तक प्रमुख सत्ताधारी दल भाजपा के भी किसी ध्वज वंदन कार्यक्रम में 'वन्दे मातरम्' का पूरा गान गाते नही देखा गया, पिछले नो दशकों से इसके प्रारंभिक दो छंद ही गाते देखा गया है, किंतु यह राजनीति की बलिहारी है, जिसने इसे राजनीतिक विवाद का मुद्दा बना दिया और अब इस मुद्दें पर भाजपा-कांग्रेस आमने-सामने आ गए है। सत्तारूढ़ दल, कांग्रेस के इस फैसले को आत्मघाती बता रहे है।

यहां यह उल्लेखनीय है कि इस गान को 1937 में 'राष्ट्रीय गान' का दर्जा दिया गया था। इसीलिए इसे आजादी के पहले की धरोहर मानकर पूरा राष्ट्र इसका सम्मान करता है और बड़े गर्व के साथ राष्ट्रीय कार्यक्रमों में झण्ड़ा वंदन की सलामी के समय इसे गाया जाता रहा है, किंतु अब जक इसे राजनीतिक मुद्दा बना दिया गया है तो इस गान के भविष्य को लेकर पूरा देश चिंतित है।

अब इस विवादित राजनीति का असर कहां-कहां तक होता है, यह फिलहाल कल्पना से परे है, क्योंकि पूरे देश की प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षण संस्थाओं में इसका पूरे सम्मान के साथ गान किया जाता है। अब फिलहाल यह भी मानना मुश्किल है कि इस विवाद के पीछे भी 'वोट बैंक' की राजनीति छुपी है, क्योंकि देश के दो विशेष वर्ग मुस्लिम और ईसाई आरोपित है कि इस गान का सम्मान नही करते?

अब जो भी हो किंतु सबसे अहम् बिन्दू यही है कि इस अहम् राष्ट्र भक्ति से जुड़े बिन्दू को राजनीति का अंग बनाना किसी भी स्थिति में ठीक नही कहा जा सकता।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

चुनौती बन रहा है नाबालिगों का अपराध की ओर बढ़ता रूझान

मनोज कुमार अग्रवाल

नाबालिग बच्चों में अपराध की बढ़ती प्रवृत्ति एक गंभीर सामाजिक चिंता का विषय है। छोटी उम्र के बच्चों में आक्रामकता, चोरी, मारपीट और यहाँ तक कि गंभीर हिंसक अपराधों जैसे हत्या लूट के रुझान में इजाफा देखा जा रहा है। इसके मुख्य कारणों में हिंसक डिजिटल कंटेंट, पारिवारिक संवाद की कमी और गलत संगत शामिल हैं।हाल ही में तेलंगाना के नालगोंडा में एक महिला प्रिंसिपल की उनके ही स्कूल के तरूण छात्र ने एक अन्य साथी छात्र के साथ मिलकर लूटपाट कर नृशंस हत्या कर दी। पुलिस ने 48 वर्षीय स्कूल प्रिंसिपल की सनसनीखेज हत्या के मामले को सुलझा लिया है और दो छात्रों को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने कथित तौर पर पैसे और आलीशान जीवन शैली के लिए अपराध की योजना बनाई थी।यह वारदात समाज में नाबालिक बच्चों में अपराध की दुनिया के प्रति बढ़ता आकर्षण कानून और समाज से बेखौफ उन्मुक्त और अय्याशी भरे जीवन शैली को जीने की ललक को बताती है। भारत में क्राइम के मामलों को लेकर एनसीआरबी ने चौंकाने वाली रिपोर्ट दी है। इसके मुताबिक, हत्या, रेप और अपहरण जैसे संगीन अपराधों में नाबालिगों की संलिप्तता बढ़ी है। दिल्ली में 40 फीसदी से भी अधिक ऐसे केस सामने आए हैं। आपको बता दें कि तेलंगाना के कोंडमल्लेपल्ली स्थित नागार्जुन पब्लिक स्कूल की प्रिंसिपल और डायरेक्टर कल्लू रूपा रेड्डी 12 अगस्त की सुबह अपने घर में मृत पाई गईं। उनके शरीर पर चाकू के 27 घाव थे। उनका शव तब बरामद हुआ जब उनके पति, जो हैदराबाद में थे, ने पड़ोसियों को बताया कि वह उनके फोन का जवाब नहीं दे रही हैं। पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी, जिसने उन्हें मृत पाया।

इसके बाद पुलिस ने पांच टीमें बनाईं और सीसीटीवी फुटेज, फोरेंसिक साक्ष्य, फिंगरप्रिंट, तकनीकी डेटा और संदिग्धों की गतिविधियों की जांच की और 80 से अधिक लोगों से पूछताछ की। बाबू शब्द के कारण छात्रों ने जांचकताओं को तब सुराग मिला जब उन्हें पता चला कि फोन बंद होने से पहले रूपा रेड्डी ने अपनी चाची से बात करते समय बाबू शब्द का इस्तेमाल किया था। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी शरथ चंद्र पवार के अनुसार उसकी बातचीत के दौरान रिकॉर्ड किया गया आखिरी शब्द बाबू था। हमने इस बात की जांच की कि वह किसका जिक्र कर रही थी, और इससे हमें स्कूल के छात्रों की ओर संकेत मिला।

इसके बाद जांचकताओं ने छात्रों से व्यक्तिगत रूप से पूछताछ की और कक्षा 10 के उन पांच छात्रों पर ध्यान केंद्रित किया जो स्कूल से अनुपस्थित रहे थे। उन्हें पता चला कि उनमें से दो छात्र पिछले कुछ दिनों में खूब पैसा खर्च कर रहे थे और पार्टियां दे रहे थे।पवार ने बताया कि दोनों छात्रों को बुधवार सुबह हिरासत में लिया गया और पूछताछ के दौरान उन्होंने कबूल किया कि उन्होंने योजना के अनुसार रूपा रेड्डी की हत्या की थी। जांच अधिकारी के अनुसार आरोपियों को इससे पहले रूपा रेड्डी द्वारा फटकार लगाई गई थी, जब उनके छात्रावास के बैग से नकदी और एक मोबाइल फोन बरामद हुआ था।उसने उनके माता-पिता को सूचित किया, और उन्हें छात्रावास से निकालकर दैनिक छात्र का दर्जा दे दिया गया।पुलिस को संदेह है कि इससे प्रधानाचार्य के प्रति असंतोष पैदा होने में योगदान हो सकता है। आपको बता दें कि सोशल मीडिया के इस दौर में ऑनलाइन गेम और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध असीमित और हिंसक सामग्री बच्चों के कोमल मन पर बुरा असर डाल रही है।

एनसीआरबी की ताजा रिपोर्ट के अनुसार अपराध के लगभग हर क्षेत्र में नाबालिग शामिल पाए गए। इसमे कुछ ऐसे मामले भी सामने आए हैं। जिसमें रेप, हत्या और किडनैपिंग मे मामलों में 12 साल से कम उम्र तक के नाबालिग भी शामिल रहे।

इस साल जनवरी 2026 में राजधानी दिल्ली में तीन नाबालिगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया था. तीनों पर एक 6 साल की बच्ची का रेप करने का आरोप था. कानूनन तीनों नाबालिग थे लेकिन तीनों ने मिलकर इतनी हैवानियत की थी कि वह बच्ची ठीक से चल भी नहीं पा रही थी. इसी तरह अप्रैल में नागपुर में पुलिस ने 13 नाबालिगों को पकड़ा था. इन सभी ने मिलकर एक 22 साल के व्यक्ति की बेरहमी से हत्या कर दी थी. हत्या 100 रुपये के विवाद को लेकर हुई थी. आए दिन गंभीर अपराधों में नाबालिक अपचारियो की बढ़ती भागीदारी समाजशास्त्र और बाल मनोविज्ञान के अध्येताओं के लिए चुनौती बन रही है। ये घटनाएं इतना बताने के लिए काफी हैं कि हमारे देश में अब नाबालिग तेजी से अपराध की ओर बढ़ रहे हैं. हाल ही में नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट आई है. इसमें सामने आया है कि दो साल में नाबालिगों के खिलाफ अपराध के मामलों में 14% से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है.एनसीआरबी रिपोर्ट के मुताबिक, 2022 में नाबालिगों के खिलाफ 30,555 मामले दर्ज किए गए थे. 2024 में यह बढ़कर 34,878 हो गए। रिपोर्ट बताती है कि 2024 में दर्ज मामलों 58.9 लाख मामले दर्ज किए गए थे. 2023 की तुलना में यह 6 फीसदी की गिरावट थी. लेकिन इसके उलट, नाबालिगों के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों में बढ़ोतरी हुई है. चिंता वाली बात यह है कि नाबालिग रेप, मर्डर, लूटपाट और किडनैपिंग जैसे गंभीर अपराधों भी शामिल हो रहें हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 में महिलाओं और बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराध के 2,557 मामलों में नाबालिगों को आरोपी बनाया गया था. इसके अलावा मर्डर और किडनैपिंग जैसे 8,943 मामलों में आरोपी नाबालिग थे. 2024 में नाबालिगों के खिलाफ रेप के 1,067 और मर्डर के 1,120 मामले दर्ज किए गए थे. अगर इसका औसत निकाला जाए तो हर दिन रेप और मर्डर के 3-3 मामलों में आरोपी नाबालिग होते हैं.रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 में जितने नाबालिगों को गिरफ्तार किया गया, उनमें से 2,857 ही ऐसे थे जो अनपढ़ थे. 21,068 आरोपी ऐसे थे जिन्होंने 5वीं से 10वीं तक की पढ़ाई की थी. जबकि, 10वीं से 12वीं तक पढ़ाई करने वाले 8,301 और 12वीं पास 1,418 नाबालिगों को गिरफ्तार किया गया था.इसी तरह, इनमें से सिर्फ 2,216 नाबालिग ही ऐसे थे जो बेघर थे और जिनके माता-पिता नहीं थे. जबकि 36,905 आरोपी ऐसे थे जो अपने माता-पिता के साथ रहते थे. इनके अलावा 3,512 आरोप किसी न किसी गार्जियन के साथ रहते थे.

दरअसल माता-पिता का बच्चों के साथ संवाद कम होना, घरेलू हिंसा या परिवार का विघटन बच्चों को विद्रोही बना रहा है। पढ़ाई और अन्य गतिविधियों में हर समय जीतने का भारी तनाव बच्चों में गुस्सा और कुंठा पैदा कर रहा है।बुरी संगत और सहपाठियों (पीयर प्रेशर) के दबाव में आकर बच्चे जल्दी गलत रास्ते पर कदम रख देते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का सुझाव है कि गरीबी कम करके और शहरी वातावरण को बेहतर करके नाबालिगों को हिंसा में आने से रोका जा सकता है. अमीरी और गरीबी का अंतर अपराध को बढ़ाता है, क्योंकि ऐसी स्थिति में अपनी भड़ास निकालने के लिए हिंसा सबसे आसान जरिया बन जाती है. इसलिए गैर-बराबरी कम करने के साथ-साथ स्कूली शिक्षा को बेहतर करके बच्चों को हिंसा और अपराध से बचाया जा सकता है.इसके साथ ही माता-पिता बच्चों के साथ समय बिताएं और उनकी भावनाओं को समझें। बच्चों द्वारा देखे जाने वाले डिजिटल और ऑनलाइन कंटेंट की निगरानी करें। घर और स्कूल में ऐसा वातावरण दें जहाँ बच्चा खुलकर अपनी बात रख सके।जुवेनाइल जस्टिस सिस्टम का उद्देश्य बच्चों को सजा देना नहीं बल्कि उनकी काउंसलिंग कर उन्हें सुधारना है लेकिन इस सहानुभूति भरे कानून का नाबालिक अपचारी दुरूपयोग न करें इस ओर भी निगरानी जरूरी है।

संक्षिप्त समाचार

जापान में भूकंप से कांपी धरती, 20 लोगों के घायल होने की खबर, रिक्टर स्केल पर झटके कितने तेज

टोक्यो, एजेंसी। जापान के पूर्वी हिस्से और राजधानी टोक्यो के आसपास रविवार तड़के मध्यम तीव्रता के भूकंप ने लोगों को दहला दिया। प्रारंभिक तौर पर भूकंप की तीव्रता 5.9 मापी गई, जबकि अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने इसे 5.8 दर्ज किया। भूकंप में 20 से अधिक लोग घायल हुए, हालांकि अधिकांश को मामूली चोटें आईं। राहत की बात यह रही कि सुनामी का कोई खतरा नहीं था। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के अनुसार, भूकंप का केंद्र इबाराकी प्रांत के दक्षिणी हिस्से में जमीन से करीब 70 किलोमीटर की गहराई में था। यह इलाका भूकंप की दृष्टि से संवेदनशील माना जाता है। चार प्रांतों में कुल 23 लोगों के घायल होने की सूचना मिली। इनमें साइतामा और कानागावा में नौ-नौ, चिबा में चार और इबाराकी में एक व्यक्ति घायल हुआ। अधिकांश लोग उस समय सो रहे थे और अचानक आए तेज झटकों से घबराकर बिस्तर से उठे। इस दौरान कई लोग गिर पड़े या फर्नीचर और दरवाजों से टकरा गए। कानागावा के योकोहामा में 80 वर्ष से अधिक उम्र की एक महिला बिस्तर से गिर गई, जिससे उसके कूल्हे में गंभीर चोट आई। भूकंप के कारण टोक्यो और नारिता हवाईअड्डे को जोड़ने वाली एक्सप्रेस ट्रेनों समेत कुछ स्थानीय रेल सेवाएं प्रभावित हुईं और देरी से चलीं। हालांकि शिंकानसेन बुलेट ट्रेन सेवाएं सामान्य रहीं। टोक्यो के कोटो वार्ड में भूमिगत पानी की पाइप फटने से सड़क पर पानी भर गया, जिसे बाद में ठीक कर दिया गया। भूकंप के बाद करीब 460 घरों की बिजली आपूर्ति बाधित हुई, लेकिन रविवार सुबह तक बिजली बहाल कर दी गई।

ईरान की अमेरिका को दो-टूक: रवैया बदलो तभी खुलेगा होर्मुज; पड़ोसी देशों को दी धमकी

तेहरान, एजेंसी। ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (एसएनएससी) के सचिव मोहसिन रेजाई ने शनिवार (स्थानीय समय) को दावा किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य अभी भी बंद है। उन्होंने कहा कि अमेरिका जब तक अपनी जिम्मेदारियां पूरी नहीं करता और अपना रवैया नहीं बदलता, तब तक इसे दोबारा नहीं खोला जाएगा। समाचार एजेंसी आईआरआईबी को दिए इंटरव्यू में रेजाई ने कहा, अमेरिका के दावों के बावजूद होर्मुज जलडमरूमध्य बंद है। अमेरिका का रवैया ठीक करने तक यह नहीं खुलेगा। उन्होंने आगे कहा, इस बार अमेरिका को पहले अपनी जिम्मेदारियां पूरी करनी होंगी। रेजाई ने आरोप लगाया कि वाशिंगटन ने सैन्य विकल्पों की उम्मीद छोड़ दी है। अब वह ईरान पर आर्थिक दबाव बनाने पर निर्भर है। उन्होंने कहा, सैन्य हमलों से अमेरिकी पूरी तरह निराश हैं। उन्हें लगता है कि आर्थिक नाकेबंदी के जरिये सैन्य कार्रवाई में मदद की जा सकती है।

मेरिका पर कनाडा का पलटवार: 8 सितंबर से लगाएगा जवाबी टैरिफ, पीएम मार्क ने किया एलान

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने शनिवार को कहा कि उनका देश 8 सितंबर से अमेरिका से आने वाले सामान पर जवाबी शुल्क (टैरिफ) लगाएगा। इससे पहले अमेरिका ने करीब 20 अरब अमेरिकी डॉलर कीमत के कनाडाई सामान पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया था। दोनों देशों के बीच इस व्यापारिक विवाद को बातचीत से खत्म करने की आखिरी कोशिश भी शुक्रवार देर रात वाशिंगटन में नाकाम हो गई। कनाडाई प्रधानमंत्री ने क्या कहा प्रधानमंत्री कार्नी ने कहा कि अमेरिका कनाडा के सामान पर जितने डॉलर का टैरिफ लगाएगा, कनाडा भी उतने ही डॉलर के जवाबी टैरिफ अमेरिकी सामानों पर लगाएगा। यह टैरिफ इस्पात, डेयरी उत्पाद, घरेलू उपकरण, खेती में इस्तेमाल होने वाली मशीनें, कागज बनाने का कच्चा माल और कागज व इलेक्ट्रॉनिक सामान पर लगाया जाएगा। किन-किन खास उत्पादों पर टैरिफ लगेगा, इसकी जानकारी आने वाले दिनों में जारी की जाएगी। क्या अमेरिका की मांगों से बिगड़ी बात कार्नी ने ओटावा में यह भी बताया कि कनाडा इस्पात, एल्युमिनियम और कारों पर लगाए गए अपने बाकी जवाबी टैरिफ हटाने के लिए तैयार था। लेकिन इसके लिए अमेरिका को अपने लगाए टैरिफ में बड़ी कटौती करनी थी। कनाडा अमेरिकी शराब की बिक्री दोबारा शुरू करने के लिए अपने प्रांतों को प्रोत्साहित करने के लिए तैयार था। लेकिन अमेरिकी की आखिरी मांगें बहुत ज्यादा थीं। कनाडाई पीएम ने कहा, उन्होंने बहुत ज्यादा मांगा और बदले में बहुत कम दिया।

पेंटागन में पावर गेम: हेगसेथ से तनाव के बाद शीर्ष अफसर दे सकते हैं इस्तीफा, रक्षा मंत्री की पत्नी पर लगे आरोप

वाशिंगटन, एजेंसी। डिफेंस सेक्रेटरी पीट हेगसेथ के साथ तनाव के बीच अमेरिकी आर्मी सेक्रेटरी डैन ड्रिस्कॉल के साल के अंत तक पद छोड़ने की चर्चा है। उनके जाने से पहले से नेतृत्व संकट से जूझ रही अमेरिकी सेना पर दबाव बढ़ सकता है। वहीं, हेगसेथ की पत्नी जेनिफर की पेंटागन में बढ़ती भूमिका भी विवाद का विषय बनी हुई है। वह स्टाफ चयन, रणनीति, मीडिया प्रशिक्षण और सैन्य संचार से जुड़ी गतिविधियों में सक्रिय रही हैं तथा संवेदनशील बैठकों में उनकी मौजूदगी पर सैन्य अधिकारियों और सांसदों ने सवाल उठाए हैं। इस पूरे घटनाक्रम ने ट्रंप प्रशासन के रक्षा प्रतिष्ठान में नेतृत्व, निर्णय लेने की प्रक्रिया और प्रभाव के इस्तेमाल को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

ड्रिस्कॉल के जाने से सेना के शीर्ष नेतृत्व पर असर : ड्रिस्कॉल के पद छोड़ने की स्थिति में अमेरिकी सेना के शीर्ष स्तर पर नेतृत्व का संकट और गहरा सकता है। सेना पहले से ही सीनेट से मंजूर स्थायी चीफ के बिना काम कर रही है। डिफेंस सेक्रेटरी पीट हेगसेथ ने अप्रैल में सेना के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल रैंडी जॉर्ज को उनके पद से हटा दिया था। हेगसेथ ने जॉर्ज को हटाने का कोई सार्वजनिक कारण नहीं बताया था और अब तक उनकी जगह किसी स्थायी अधिकारी को नामित भी नहीं किया गया है।

लानेव संभाल रहे हैं सेना प्रमुख की जिम्मेदारी : जनरल क्रिस्टोफर लानेव, जो सेना के वाइस चीफ ऑफ स्टाफ रह चुके हैं और पहले हेगसेथ के वरिष्ठ सैन्य सलाहकार के तौर पर काम कर चुके हैं, फिलहाल कार्यवाहक सेना प्रमुख यानी एक्टिंग आर्मी चीफ ऑफ स्टाफ की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। ऐसे में अगर ड्रिस्कॉल भी पद छोड़ते हैं, तो सेना के शीर्ष नेतृत्व में एक और महत्वपूर्ण पद पर बदलाव होगा।

परिवार के साथ रहने की जगह भी बदली : रिपोर्ट के मुताबिक, आर्मी सेक्रेटरी डैन ड्रिस्कॉल और उनका परिवार इस गर्मी में जॉइंट बेस मायर-हेंडरसन हॉल स्थित आधिकारिक पारिवारिक आवास से बाहर चले गए थे। उनका परिवार नॉर्थ कैरोलिना चला गया, जबकि ड्रिस्कॉल खुद सैन्य अड्डे के भीतर एक छोटे अपार्टमेंट में रहने लगे। यह घटनाक्रम हेगसेथ के साथ उनके बिगड़ते रिश्तों के बीच सामने आया है।

हेगसेथ से कब शुरू हुई अनबन : पूर्व आर्मी रेंजर और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के पुराने दोस्त ड्रिस्कॉल ट्रंप प्रशासन के शुरुआती दिनों में ही हेगसेथ की नाराजगी का शिकार हो गए थे। तनाव उस समय बढ़ा, जब ड्रिस्कॉल ने वेंस और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए सैनिकों से मुलाकात और सेना में सुधार की योजनाओं पर चर्चा करने के उद्देश्य से एक दौरे का आयोजन करने की कोशिश की। हालांकि दोनों के बीच अनबन बनी रही, लेकिन आर्मी सेक्रेटरी के तौर पर अपने करीब 18 महीने के कार्यकाल में ड्रिस्कॉल ने जनरल रैंडी जॉर्ज के साथ मजबूत कामकाजी रिश्ता कायम किया।

नई तकनीक और भविष्य की जंग पर था जोर : ड्रिस्कॉल और जॉर्ज ने अमेरिकी सेना को नई तकनीक अपनाने के लिए प्रेरित किया। दोनों का मानना था कि भविष्य के युद्धों में वाणिज्यिक क्षेत्र से आने वाले नवाचार और तकनीक बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। ड्रिस्कॉल ने जॉर्ज और जनरल क्रिस डोनाह्यू के साथ यूक्रेन का दौरा भी किया था। उस समय डोनाह्यू यूरोप में अमेरिकी सेना के शीर्ष जनरल थे। इस यात्रा के दौरान ड्रिस्कॉल ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की से शांति वार्ता को लेकर भी बातचीत की थी। ड्रिस्कॉल ने अमेरिकी सेना से यूक्रेन के युद्ध से सबक लेने का आग्रह किया। खासतौर पर उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यूक्रेनी सेना युद्ध के मैदान में बाजार में आसानी से उपलब्ध वाणिज्यिक तकनीक का किस तरह इस्तेमाल कर रही है। उनके कार्यकाल के दौरान निजी कंपनियों ने कई परियोजनाओं में 25 अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया। इन परियोजनाओं में डेटा सेंटर, महत्वपूर्ण खनिजों की रिफाइनरी और पूरे अमेरिका में सेना के ठिकानों पर डाइनिंग सुविधाओं का विकास शामिल था।

जॉर्ज की बर्खास्तगी से साझेदारी को लगा झटका : ड्रिस्कॉल और जॉर्ज की यह साझेदारी उस समय प्रभावित हुई, जब हेगसेथ ने अप्रैल में अचानक सेना प्रमुख को उनके पद से हटा दिया। हेगसेथ के इस फैसले की कांग्रेस में रिपब्लिकन नेताओं ने भी आलोचना की और कई नेताओं ने जॉर्ज के प्रति समर्थन जताया।

कांग्रेस में ड्रिस्कॉल ने जॉर्ज की तारीफ की : कांग्रेस की सुनवाई के दौरान जब ड्रिस्कॉल से जॉर्ज को हटाए जाने के बारे में सवाल किया गया, तो उन्होंने सीधे तौर पर हेगसेथ की आलोचना करने से परहेज किया। हालांकि, उन्होंने जॉर्ज के बारे में अपनी राय स्पष्ट कर दी। ड्रिस्कॉल ने सांसदों से कहा,मैं भी जनरल जॉर्ज को बहुत पसंद करता हूं। उन्होंने जॉर्ज को एक शानदार और बदलाव लाने वाले लीडर बताया। अपने पद को लेकर अनिश्चितता के बावजूद, पिछले महीने पेंसिल्वेनिया में आयोजित एक डिफेंस कॉन्फ्रेंस में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ड्रिस्कॉल की सार्वजनिक रूप से तारीफ की। ट्रंप ने ड्रिस्कॉल के व्यक्तित्व और उनके लुक का जिक्र करते हुए कहा कि वह दिखने में जितने सीधे-सादे लगते हैं, असल में उससे कहीं ज्यादा सख्त हैं। ट्रंप ने कहा,उनकी मुस्कान कितनी प्यारी है, लेकिन असल में वह एक किलर हैं।

इस्राइल को हथियार सप्लाई पर भड़का ईरान: फ्रांस और ब्रिटेन को दी दोटूक चेतावनी, बोला- यह अपराधों में भागीदारी

तेहरान, एजेंसी। ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने इस्राइल को हथियार और अन्य समर्थन देने को लेकर फ्रांस और च की आलोचना की है। उनकी टिप्पणी 102 पूर्व ब्रिटिश और फ्रांसीसी राजनयिकों की उस अपील के बाद आई, जिसमें दोनों देशों से इस्राइल पर ठोस दबाव बनाने, हथियारों की आपूर्ति और सैन्य सहयोग रोकने, बस्तियों से जुड़े व्यापार पर प्रतिबंध लगाने तथा अंतरराष्ट्रीय अदालतों के फैसलों को लागू करने की मांग की गई है। राजनयिकों ने वेस्ट बैंक में बस्तियों के विस्तार, घरों को गिराए जाने और बसने वालों की हिंसा को लेकर गंभीर चिंता जताई है।

लंदन और पेरिस को 'चिंता' के पीछे नहीं छिपना चाहिए : ब्रिटिश और फ्रांसीसी पूर्व राजनयिकों की उस अपील के जवाब में, जिसमें उन्होंने अपनी सरकारों से फलस्तीन में अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करने का आग्रह किया था, गरीबाबादी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, लंदन और पेरिस को इस स्थिति में सिर्फ चिंता व्यक्त करने की बात कहकर पीछे नहीं छिपना चाहिए। उस शासन को हथियार भेजना और किसी भी तरह का समर्थन देना, जायोनी शासन द्वारा किए जा रहे अपराधों में सहयोग और भागीदारी का जानबूझकर किया गया फैसला है।

100 से अधिक पूर्व राजनयिकों ने उठाई आवाज : गरीबाबादी की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब 100 से अधिक अनुभवी ब्रिटिश और फ्रांसीसी राजनयिकों ने अपनी-अपनी सरकारों को चेतावनी दी है कि इस्राइल की नीतियां जातीय सफाए और फलस्तीन को खत्म करने की दिशा में बढ़ रही हैं। उन्होंने लंदन और पेरिस से ठोस कदम उठाने की मांग की है। इनमें हथियारों की आपूर्ति रोकना, इस्राइली बस्तियों के साथ व्यापार पर प्रतिबंध लगाना और हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय अदालतों के फैसलों को लागू करना शामिल है। गरीबाबादी ने एक्स पर एक अन्य पोस्ट में लिखा,100 से अधिक अनुभवी ब्रिटिश और फ्रांसीसी राजनयिकों ने अपनी सरकारों को चेतावनी दी कि जायोनी शासन की नीति 'जातीय सफाए' और 'फिलिस्तीन को खत्म करने' की ओर बढ़ रही है। उन्होंने लंदन और पेरिस से हथियारों की आपूर्ति रोकने, बस्तियों के साथ व्यापार पर प्रतिबंध लगाने और हेग अदालतों के फैसलों को लागू करने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की।

मुनीर के खिलाफ सेना में असंतोष; रावलपिंडी की सुरक्षा बढ़ाई गई, छह माह तक तैनात रहेंगी तीन कंपनियां

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को मिली असीमित शक्तियों के खिलाफ सेना के अधीनस्थ रैंक अधिकारियों में असंतोष फैल गया है। स्थिति इतनी भयावह हो चुकी है कि गृह मंत्रालय को रावलपिंडी में सैन्य मुख्यालय के आसपास सुरक्षा के लिए सेना की तीन कंपनियां तैनात करनी पड़ी हैं। यह तैनाती अगले छह माह के लिएहै। हालांकि, सरकार ने इसे राजनीतिक आक्रोश के कारण किसी तरह की संवेदनशील स्थिति से निपटने की कोशिश बताया है।

गृह मंत्रालय ने सेना की तैनाती का आदेश संविधान के अनुच्छेद 245 के तहत उठाया गया है, जो नागरिक प्रशासन की सहायता के लिए सशस्त्र बलों की तैनाती का अधिकार देता है। बहरहाल, सूत्रों का कहना है कि हाल में पारित 27वें संविधान संशोधन और नए डिफेंस फोर्सेस एक्ट के बाद आसिम मुनीर को अभूतपूर्व शक्तियां मिल चुकी हैं। नए ढांचे के तहत मुनीर के पास अब थल, जल और वायु सेना, तीनों अंगों पर पूर्ण नियंत्रण है। मुनीर के पास किसी भी अधिकारी या जवान को सेवा से बर्खास्त करने और जबरन रिटायर करने के अधिकार आ गए हैं। इससे जूनियर और अधीनस्थ रैंकों के अधिकारी घुटन महसूस कर रहे हैं।

जूनियर अधिकारियों में असंतोष से सैन्य नेतृत्व को संभावित बगावत की आशंका भी सता रही है। पाकिस्तान में हालिया संशोधनों के बाद फील्ड मार्शल मुनीर का कम से कम 2030 तक पद पर बने रहने का रास्ता साफ हो गया है। यही नहीं, उन्हें आजीवन कानूनी छूट तथा अभियोजन से सुरक्षा भी हासिल हो गई है। इससे सेनाओं के भीतर आंतरिक असंतोष को और हवा मिली है। दरअसल तीनों सेनाओं के कर्मियों को लग रहा है कि उनकी स्थिति बंधुआ मजदूर जैसी हो गई है। रावलपिंडी में सेना की यह ताजा तैनाती ऐसे समय में हुई है जब कुछ दिन पहले शहर के मॉल रोड पर सुरक्षा बलों पर एक हमला हुआ था, जिसमें एक संदिग्ध को मार गिराया गया। सरकारी हलकों में उसे इमरान खान की पार्टी पीटीआई से जोने की कोशिशें हुईं, जिसे पार्टी ने सिरे से खारिज किया।

मरीज खुद बने शोधकर्ता: वर्षों तक बीमारी व दर्द से जूझते रहे, अब उसी बीमारी का खोज रहे इलाज वैज्ञानिक

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। बीमारी का सामना करने वाले ज्यादातर लोग इलाज की तलाश में डॉक्टरों के पास जाते हैं, लेकिन कुछ वैज्ञानिकों ने अपनी बीमारी को ही शोध का विषय बना लिया। वर्षों तक असहनीय दर्द, गलत निदान और बीमारी के डर से जूझने के बाद इन मरीज-शोधकर्ताओं ने प्रयोगशाला का रास्ता चुना। मकसद सिर्फ खुद के लिए इलाज तलाशना नहीं, बल्कि उन मरीजों के लिए बेहतर उपचार खोजना है जिनकी बीमारियां दुर्लभ या अब तक लाइलाज हैं।

नेचर की रिपोर्ट के मुताबिक इटली की आणविक जीवविज्ञानी फ्रांसेस्का ग्रानाटा इसका उदाहरण हैं। बचपन से ही उन्हें त्वचा में इतना तेज दर्द होता था कि मां का गले लगाना भी असहनीय लगता था। 2008 में जांच के बाद पता चला कि उन्हें एरिथ्रोपोएटिक प्रोटोपोरफीरिया है। यह आनुवंशिक बीमारी है, जिसमें लाल रक्त कोशिकाओं में प्रोटोपोरफीरिन जमा होने से रोशनी के संपर्क में त्वचा में तेज जलन और दर्द होता है। गंभीर मामलों में यकृत भी प्रभावित हो सकता है।

मां की मौत ने शोध पर किया मजबूर : अमेरिकी वैज्ञानिक सोनिया वल्लभ की कहानी भी ऐसी ही है। 2010 में उनकी 52 वर्षीय मां की तेजी से बढ़ती स्मृतिभ्रंश की बीमारी से मौत हुई। जांच में पता चला कि वह आनुवंशिक प्रायन बीमारी से पीड़ित थीं। बाद में वल्लभ ने भी जांच कराई और पाया कि उनमें भी इस बीमारी से जुड़ा जीन परिवर्तन मौजूद है। वल्लभ उस समय कानून के क्षेत्र में काम कर रही थीं। मां की मौत और खुद में बीमारी का खतरा सामने आने के बाद उन्होंने करियर बदलकर विज्ञान की पढ़ाई शुरू कर दी। अब वह अपने पति और संगणकीय जीवविज्ञानी एरिक मिनिकल के साथ प्रायन बीमारी के इलाज पर शोध कर रही हैं।

बीमारी से मिला इलाज का रास्ता : कैसलमैन बीमारी से पीड़ित चिकित्सक-शोधकर्ता डेविड फाजेनबॉम ने अपनी बीमारी के इलाज में पहले से मौजूद दवा के नए इस्तेमाल का रास्ता खोजा। बीमारी के कारण वह कई बार गंभीर स्थिति में पहुंचे। अपने रक्त परीक्षण और वैज्ञानिक शोधों के अध्ययन से उन्होंने पाया कि प्रतिरक्षा तंत्र की सक्रियता रोकने वाली एक दवा उनकी बीमारी में मदद कर सकती है। इसके इस्तेमाल से वह एक दशक से ज्यादा समय से बीमारी के दोबारा उभरने से बचे हैं।अब उनका संगठन कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से मौजूदा दवाओं में ऐसे विकल्प तलाश रहा है, जिन्हें दुर्लभ बीमारियों के इलाज में दोबारा इस्तेमाल किया जा सके। अमेरिका की स्टेम-सेल वैज्ञानिक वैलेंटिना फोसाती को 30 वर्ष की उम्र में मल्टीपल स्क्लेरोसिस यानी एमएस का पता चला। उन्होंने इसी बीमारी पर शोध शुरू कर दिया। अब वह स्टेम कोशिकाओं से मस्तिष्क की विभिन्न कोशिकाएं विकसित करने की तकनीकों पर काम कर रही हैं।

अमेरिका में गुजराती स्टोर मालिक की गोली मारकर हत्या, बेटी बाल-बाल बची; हमलावर फरार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के टेनेसी में एक गुजराती मूल के कारोबारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात उस समय हुई, जब जैक्सन शहर की एक शराब की दुकान में हथियारबंद बदमाश लूट के इरादे से पहुंचा था। घटना के दौरान कारोबारी की 19 वर्षीय बेटी भी उनके पास मौजूद थी, लेकिन वह गोली लगने से बच गई। पुलिस ने मृतक की पहचान 56 वर्षीय सुरेश पटेल के तौर पर की है। वह रिजक्रेस्ट रोड स्थित रिजक्रेस्ट सेलर्स में काम कर रहे थे। पुलिस के मुताबिक, 20 अगस्त की रात करीब नौ बजे एक हथियारबंद व्यक्ति दुकान में दाखिल हुआ और कर्मचारियों से नकदी मांगी।

बदमाश को पैसे देने के बाद भी गोलीबारी : पुलिस के अनुसार, आरोपी ने हथियार दिखाकर दुकान में मौजूद लोगों से पैसे लिए। इसके बाद उसने कई राउंड फायरिंग की। एक गोली सुरेश पटेल को लगी और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, आरोपी नकदी लेकर सफेद रंग की सेडान कार से फरार हुआ। घटना के समय पटेल की बेटी भी उनके पास खड़ी थी। गोलीबारी के बावजूद वह सुरक्षित रही। दुकान में मौजूद एक 70 वर्षीय कर्मचारी भी घायल हुआ। बताया गया है कि गोली चलने के दौरान गिरने से उसकी कलाई में फ्रैक्चर हो गया।

पेंटबॉल मास्क से ढका था चेहरा : जांच में सामने आया है कि आरोपी अश्वेत पुरुष था। उसने ग्रे हुडी, जींस और काले रंग के कामकाजी जूते पहन रखे थे। उसकी पहचान छिपाने के लिए चेहरा पेंटबॉल खेलने के दौरान इस्तेमाल किए जाने वाले मास्क से ढका हुआ था। पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। जांच एजेंसियां इलाके के सीसीटीवी फुटेज और अन्य संभावित सुरागों की मदद से हमलावर तक पहुंचने की कोशिश कर रही हैं। पुलिस ने स्थानीय लोगों से भी ऐसी कोई जानकारी साझा करने की अपील की है, जिससे आरोपी की पहचान या उसकी सफेद सेडान कार का पता लगाने में मदद मिल सके। जानकारी के मुताबिक, सुरेश पटेल गुजरात के मेहसाणा जिले की कड़ी तहसील के अखज गांव के रहने वाले थे। बताया जा रहा है कि उनके परिवार ने हाल ही में रिजक्रेस्ट सेलर्स का कारोबार संभाला था और पटेल ने कुछ दिन पहले ही स्टोर का कामकाज अपने हाथ में लिया था। अमेरिका में भारतीय मूल के लोगों को लूट और हिंसा का सामना करने की घटनाएं सामने आती रही हैं। ताजा घटना के बाद अमेरिका में सुविधा स्टोर और अन्य छोटे कारोबार चलाने वाले भारतीय मूल के लोगों की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर चिंता बढ़ गई है। ऐसे स्टोर अक्सर लंबे समय तक खुले रहते हैं।

गोल्डी बराड़ ने क्यों की थी हरदीप निज्जर की हत्या, भगोड़े गैंगस्टर ने लीक ऑडियो में खुद कबूला, बताई असली वजह

टोरंटो, एजेंसी। भगोड़े गैंगस्टर गोल्डी बराड़ ने कथित तौर पर एक लीक ऑडियो क्लिप में खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या कराने की बात कबूल की है। 2023 में कनाडा के सरे में एक गुरुद्वारे के बाहर हरदीप सिंह निज्जर की हत्या कर दी गई थी। ऑडियो क्लिप के अनुवाद के मुताबिक, बराड़ ने हत्या के पीछे निज्जर द्वारा स्थानीय ड्रग नेटवर्कों को संरक्षण देने को वजह बताया। साथ ही उत्तरी अमेरिका में अवैध ड्रग्स बेचने के लिए किशोरों का इस्तेमाल करने के भी आरोप लगाए। हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद भारत और कनाडा के बीच गंभीर राजनयिक विवाद पैदा हो गया था। भारत में कई हत्याओं के मामलों में वांछित गोल्डी बराड़ ने कथित ऑडियो क्लिप में खालिस्तानी चरमपंथी परमजीत सिंह पम्मा से बातचीत के दौरान निज्जर की हत्या की वजह बताई है।

लीक ऑडियो क्लिप में क्या बोला गोल्डी बराड़ : मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बराड़ ने कथित तौर पर चरमपंथी परमजीत सिंह पम्मा को बताया, ये ऑपरेटर 16 से 17 साल के युवाओं को ड्रग्स बेचने के लिए काम पर रखते थे। इसके बाद युवाओं को ब्लैकमेल कर मुखबिर बनने के लिए मजबूर करते थे। निज्जर अपने प्रभाव को मजबूत करने के लिए ऐसे लोगों का समर्थन और संरक्षण करता था, ताकि जरूरत पड़ने पर उनका इस्तेमाल कर सके। ऑडियो क्लिप के अनुसार उसने आगे कहा, इसीलिए मुझे और मेरी टीम को निज्जर को मारना पड़ा, क्योंकि ये लोग युवाओं का इस्तेमाल ड्रग्स बेचने के लिए कर रहे थे।

निज्जर हत्याकांड से कैसे बिगड़े भारत-कनाडा संबंध : खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया में अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसके कुछ सप्ताह बाद कनाडा के तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने आरोप लगाया था कि निज्जर की हत्या में भारत का हाथ हो सकता है। नई दिल्ली ने इस आरोपों को बेतुका बताते हुए सिरे से खारिज कर दिया था। भारत ने कनाडा पर अपनी धरती से खालिस्तान समर्थक तत्वों को गतिविधियां चलाने की अनुमति देने का भी आरोप लगाया था। इन आरोपों के बाद भारत और कनाडा के राजनयिक संबंध बेहद खराब दौर में पहुंच गए थे।

कनाडा को नहीं मिला निज्जर की हत्या को भारत से जोड़ने का सबूत : कनाडा द्वारा भारतीय राजनयिकों को निज्जर हत्याकांड से जोड़ने की कोशिश के बाद नई दिल्ली ने अपने उच्चायुक्त और कई अन्य राजनयिकों को वापस बुला लिया था। कनाडा में लिबरल पार्टी के नेता मार्क कार्नी के संसदीय चुनाव जीतने और ट्रूडो के सत्ता से बाहर होने के बाद दोनों देशों के संबंध धीरे-धीरे सामान्य होने लगे। पिछले महीने कनाडा के जांचकर्ताओं ने कहा था कि उन्हें निज्जर की हत्या को भारत से जोड़ने वाला कोई सबूत नहीं मिला। अमेरिकी संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने पिछले महीने गोल्डी बराड़ की गिरफ्तारी में मदद करने वाली जानकारी देने पर 50 हजार अमेरिकी डॉलर तक के इनाम की घोषणा की थी। एफबीआई ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा था, एफबीआई सतिंदरजीत सिंह की गिरफ्तारी में मदद करने वाली जानकारी के लिए 50 हजार डॉलर तक का इनाम दे रही है। वह लॉरेंस बिश्नोई संगठित अपराध गिरोह में कथित संलिप्तता के लिए वांछित है।

यूएस ने शुरू किया व्यापार युद्ध: पीएम कार्नी का दावा, क्या ट्रेड डील के सहारे कनाडा के पर कतरना चाहते हैं ट्रंप

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता टूटने के बाद कहा कि उन्होंने खराब व्यापार समझौते के कारण बातचीत से पीछे हटने का फैसला किया। उन्होंने अमेरिका के शुल्क का जवाब देने के लिए समान दर से जवाबी शुल्क लगाने की बात कही। कार्नी ने दावा किया कि अमेरिका ने बातचीत के दौरान ऐसी नई शर्तें रखीं, जो आर्थिक रूप से नुकसानदेह और अनुचित थीं। उन्होंने कहा कि इन शर्तों से कनाडा को मिलने वाला कुल मुनाफा कम हो जाता। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर व्यापार युद्ध शुरू करने का आरोप लगाया। कार्नी ने कहा, जब आप पर हमला होता है तो आप युद्ध में होते हैं। हम पर हमला हुआ।

व्यापार समझौते से कनाडा पर कैसे शिकंजा कसता अमेरिका : कनाडाई पीएम ने कहा, हम उनकी पेशकश को स्वीकार नहीं कर सकते और उन्होंने जो मांगा है, वह हम नहीं देंगे। कार्नी ने कहा, अमेरिका ने आखिरी घंटों में दूसरे देशों के साथ व्यापार समझौते करने की हमारी क्षमता को सीमित करने की कोशिश की। आपने मुझे कुछ देर पहले यह कहते हुए सुना कि हमने पिछले एक साल में क्या हासिल किया है- 20 नए समझौते, आर्थिक और सुरक्षा साझेदारी और अपने बाजार तक पहुंच दोगुनी करने की संभावना। हम मुक्त व्यापार में विश्वास करते हैं।

उन्होंने कहा, दुनिया के कई देशों के लिए हम पसंदीदा साझेदार हैं और अमेरिका इसे सीमित करना चाहता था। उसने ऐसी भाषा का प्रस्ताव दिया, जिसके तहत इसे सीमित किया जाना था। यह स्वीकार्य नहीं था।

क्यों टूटा व्यापार समझौता : कार्नी ने कहा, इन शर्तों ने किसी भी समझौते की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिए। संक्षेप में कहें तो उन्होंने बहुत ज्यादा मांगा और बहुत कम पेश किया। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि अमेरिकी मांगों के कुल प्रभाव ने सच्ची आर्थिक साझेदारी के प्रति उसकी प्रतिबद्धता की सीमा को दिखा दिया। कार्नी ने कहा कि इसी वजह से उन्होंने शुक्रवार शाम अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता स्थगित कर दी और कनाडा के वार्ताकारों को ओटावा लौटने का निर्देश दिया।

शुक्रवार को वॉशिंगटन में दोनों पड़ोसी देशों के बीच बातचीत टूट गई। इसके बाद अमेरिका के 50 प्रतिशत नए शुल्क लागू होने का रास्ता साफ हो गया। ये शुल्क करीब 20 अरब डॉलर के सामान को प्रभावित करेंगे, जो अमेरिका को कनाडा के कुल निर्यात का करीब 5.5 प्रतिशत है।

ट्रंप ने कही थी क्या बात : ट्रंप ने कहा था कि कार्नी के साथ उनके अच्छे संबंध हैं और इसी वजह से अमेरिका को कनाडा के साथ व्यापार समझौता करने में सक्षम होना चाहिए। हालांकि, कनाडा के प्रधानमंत्री ने कहा कि वॉशिंगटन की शर्तें आखिरकार स्वीकार करने योग्य नहीं थीं। कार्नी ने अमेरिकी शुल्क के जवाब में डॉलर के बदले डॉलर के हिसाब से शुल्क लगाने का वादा किया। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, कनाडा अमेरिकी नए शुल्क का जवाब डॉलर के बदले डॉलर के हिसाब से देगा, ताकि कनाडाई श्रमिकों, किसानों, परिवारों और कारोबारों की रक्षा की जा सके। हम यह कदम इस विश्वास के साथ उठा रहे हैं कि यह कनाडा के हित में है।

8 सितंबर से लागू होंगे शुल्क : कनाडा के नए शुल्क खास तौर पर अमेरिकी स्टील और डेयरी उद्योगों को प्रभावित करेंगे। ये शुल्क 8 सितंबर से लागू होंगे। कार्नी ने कहा कि इसके बारे में विस्तृत जानकारी अगले सप्ताह दी जाएगी। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने शुक्रवार को कहा था कि वॉशिंगटन ने कनाडा से कुछ रियायतों के बदले स्टील, एल्युमीनियम, ऑटोमोबाइल और लकड़ी पर शुल्क में महत्वपूर्ण कटौती की पेशकश की थी।

कनाडा लंबे समय से ट्रंप के ऑटोमोबाइल, स्टील और एल्युमीनियम पर लगाए गए शुल्क से राहत की मांग कर रहा है। इन शुल्कों से कनाडा की अर्थव्यवस्था प्रभावित हुई है, नौकरियों का नुकसान हुआ है और दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे मजबूत व्यापारिक संबंधों पर दबाव पड़ा है। व्हाइट हाउस ने कनाडा द्वारा शुल्क लगाने के फैसले को अमेरिकी शराब, ऑटोमोबाइल और डेयरी उत्पादों के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार बताया था।

भारत से पहले ढाका में ट्रेनिंग कर सकता है ब्राजील

कोलकाता स्टेडियम पर सवाल, 6 अक्टूबर को केप वर्डे से मैच की भी तैयारी

नईदिल्ली (एजेंसी)। ब्राजील की फुटबॉल टीम 3 अक्टूबर को भारत के खिलाफ मुकाबले से पहले बांग्लादेश के ढाका में ट्रेनिंग कैंप लगाने पर विचार कर रही है। ब्राजील फुटबॉल कन्फेडरेशन के पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने 23 अगस्त को ढाका का दौरा किया। टीम ने नेशनल स्टेडियम, बसुंधरा किंग्स एरेना और कई होटलों का निरीक्षण किया। बांग्लादेश फुटबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष तबिथ अवल ने बताया कि ब्राजील के साथ ढाका में ट्रेनिंग करने और बांग्लादेश के खिलाफ फ्रेंडली खेलने समेत सभी विकल्पों पर बात हुई है। हालांकि, अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। ब्राजील 25 सितंबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टाउन्सविले और 29 सितंबर को ब्रिस्बेन में मुकाबला खेलेगा। इसके

बाद टीम भारत आएगी।कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में भारत और ब्राजील के बीच फ्रेंडली मैच खेला जाना है।

ढाका की पिच ब्राजील को ठीक लगी – बांग्लादेश फुटबॉल फेडरेशन के मुताबिक, ब्राजील के प्रतिनिधिमंडल ने नेशनल स्टेडियम और बसुंधरा किंग्स एरेना की पिच को टीम के लिए सही बताया। हालांकि, ड्रेसिंग रूम, तकनीकी स्टाफ के लिए जगह और एंट्री-एग्जिट पर सुरक्षा व्यवस्था में सुधार की जरूरत बताई गई है। ढाका में ब्राजील और बांग्लादेश के बीच 5 या 6 अक्टूबर को फ्रेंडली मैच की भी चर्चा हुई है। हालांकि, बांग्लादेश की टीम 24 सितंबर से 4 अक्टूबर तक इंडोनेशिया में स्नढ्ढस्न एशियन कप में खेलेगी।

ब्राजील के मैच पर भूटिया ने खर्च को लेकर सवाल उठाए

भारत–ब्राजील मुकाबले को लेकर पूर्व भारतीय कप्तान बाइचुंग भूटिया ने भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने ब्राजील को कोलकाता बुलाने पर करीब 50 से 70 करोड़ रुपए खर्च होने की रिपोर्ट पर आपत्ति जताई। उनका कहना है कि इतनी रकम बंगाल के घरेलू फुटबॉल और ग्रासरूट डेवलपमेंट पर खर्च की जा सकती थी।भूटिया ने भारत के एफआईएफए एशियन कप 2026 से हटने के विरोध में फैंस से ब्राजील के खिलाफ होने वाले मैच के बहिष्कार की अपील भी की है।

सितंबर में पनामा से भी मुकाबला

भारत सितंबर में पनामा के खिलाफ भी फीफा इंटरनेशनल फ्रेंडली खेलने की तैयारी में है। एआईएफएफ ने पनामा के साथ लेटर ऑफ इंटेंट साइन किया है। यह मैच 26 या 27 सितंबर को होने की संभावना है। हालांकि, इसका वेन्यू अभी तय नहीं हुआ है।

साल्ट लेक की पिच पर ब्राजील ने जताई चिंता – भारत-ब्राजील मुकाबला 3 अक्टूबर को कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम में होगा। यह ब्राजील का भारत में पहला मुकाबला होगा। ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन ने 30 जुलाई को इसकी घोषणा की थी। मैच से पहले सीबीएफ के पांच सदस्यीय दल ने कोलकाता का भी निरीक्षण किया। प्रतिनिधिमंडल ने स्टेडियम, ट्रेनिंग ग्राउंड, पिच, ड्रेसिंग रूम, होटल और सुरक्षा व्यवस्था देखी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मैदान की घास की स्थिति और कुछ जगहों पर टर्फ को लेकर चिंता जताई गई है। ब्राजील ने पिच और ट्रेनिंग ग्राउंड की घास में सुधार की जरूरत बताई है।

संक्षिप्त समाचार

मोदी 1500 से ज्यादा जगहों पर युवाओं-खिलाड़ियों से करेंगे संवाद

नेशनल स्पोर्ट्स डे से पहले कार्यक्रम, पीटी उषा समेत कई प्लेयर्स भी जुड़ेंगे

नईदिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 27 अगस्त को देशभर में 1,500 से ज्यादा जगहों पर युवाओं और खिलाड़ियों से वर्चुअल संवाद करेंगे। यह कार्यक्रम खेल मंत्रालय के 'खेलो इंडिया संवाद–खेल की बात, पीएम के साथ' अभियान के तहत आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम 29 अगस्त को होने वाले नेशनल स्पोर्ट्स डे से दो दिन पहले होगा। 29 अगस्त को हॉकी के दिग्गज खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती होती है। इसी दिन देश में नेशनल स्पोर्ट्स डे मनाया जाता है।

कॉमनवेल्थ गेम्स के मेडलिस्ट से मिल चुके हैं मोदी – इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी 9 अगस्त को कॉमनवेल्थ गेम्स में मेडल जीतने वाले भारतीय खिलाड़ियों से मिले थे। उन्होंने खिलाड़ियों के साथ मुलाकात की रील भी इंस्टाग्राम पर शेयर की थी। इस बार खिलाड़ियों और युवाओं के साथ संवाद वर्चुअल होगा।

दिल्ली में 4–5 जगहों पर कार्यक्रम – राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कार्यक्रम 4–5 जगहों पर आयोजित किए जाएंगे। इनमें आईआईटी दिल्ली भी शामिल है। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया आईआईटी दिल्ली में होने वाले कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। उन्होंने कहा कि वह 27 अगस्त को आईआईटी दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होंगे।

दिग्गज खिलाड़ी भी युवाओं से करेंगे बातचीत – भारतीय ओलिंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा के अलावा मौजूदा और पूर्व खिलाड़ी तथा अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता भी युवाओं से संवाद करेंगे। इनमें मनिका बत्रा, दीपा करमाकर, साइना नेहवाल, गगन नारंग, श्रीजेश, मैरी कॉम, बाइचुंग भूटिया, पुलेला गोपीचंद, अंजू बॉबी जॉर्ज, कर्णम मल्लेश्वरी और मीराबाई चानू शामिल हैं। कुछ क्रिकेटर भी कार्यक्रम में युवाओं से बातचीत करेंगे।

लद्दाख में सबसे ऊंचा क्रिकेट स्टेडियम बनाने की तैयारी

11,800 फीट की ऊंचाई पर बनेगा मैदान

नई दिल्ली (एजेंसी)। लद्दाख में दुनिया का सबसे ऊंचा क्रिकेट स्टेडियम बनने की योजना चर्चा में है। लेह के पास थिकसे क्षेत्र में करीब 11,800 फीट की ऊंचाई पर रणबीरपुर क्रिकेट स्टेडियम बनाने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। अगर इस प्रोजेक्ट को मंजूरी मिलती है और इसका निर्माण पूरा होता है, तो यह दुनिया के सबसे ऊंचे क्रिकेट स्टेडियमों में शामिल हो सकता है। फिलहाल यह परियोजना डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट के चरण में है। लेह पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट ने इसकी व्यवहार्यता का आकलन करने के लिए कंसल्टेंसी सेवाओं के लिए बोली आमंत्रित की है। हालांकि, अभी तक परियोजना को अंतिम आधिकारिक मंजूरी नहीं मिली है।

11,800 फीट की ऊंचाई पर बनेगा स्टेडियम – प्रस्तावित रणबीरपुर क्रिकेट स्टेडियम लेह शहर से करीब 19–20 किलोमीटर दूर थिकसे के पास बनाया जा सकता है। इसकी ऊंचाई करीब 11,800 फीट बताई जा रही है, जो मौजूदा कई हाई–एल्टीट्यूड क्रिकेट मैदानों से कहीं ज्यादा होगी। यहां से हिमालय की ऊंची चोटियों का शानदार नजारा भी देखने को मिल सकता है।

100 करोड़ रुपये से ज्यादा हो सकती है लागत – रिपोर्ट्स के अनुसार, इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट की लागत 100 करोड़ रुपये से ज्यादा हो सकती है। स्टेडियम में करीब 40,000 दर्शकों के बैठने की क्षमता रखने का भी अनुमान है। हालांकि, अंतिम क्षमता और बजट DPR तथा मंजूरी के बाद ही तय होगा।

खिलाड़ियों के लिए आसान नहीं होगी चुनौती – करीब 11,800 फीट की ऊंचाई पर पतली हवा खिलाड़ियों के लिए बड़ी चुनौती साबित हो सकती है। गेंदबाजों और बल्लेबाजों को सामान्य मैदानों की तुलना में अलग परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। वहीं, ऑक्सीजन की कमी और बेहद ठंडा मौसम खिलाड़ियों की फिटनेस और निर्माण कार्य दोनों को प्रभावित कर सकते हैं।

भारत ने 503/9 पर पारी घोषित की

ध्रुव जुरेल का दूसरा टेस्ट शतक, पंत-गिल ने फिफ्टी लगाई

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन भारत ने 9 विकेट पर 503 रन पर पारी घोषित कर दी थी।ध्रुव जुरेल ने शतक पूरा कर लिया है। उन्होंने 100वां रन बनाने के लिए 13 बॉल खेलीं। जुरेल ने 171 बॉल पर दूसरा टेस्ट शतक लगाया। प्रसिद्ध कृष्णा उनका साथ दे रहे हैं। मोहम्मद सिराज 29 बॉल पर 3 रन बनाकर आउट हुए। मानव सुथार ने 18 रन बनाए। भारत के लिए दूसरे सत्र की शुरुआत अच्छी नहीं रही क्योंकि पंत ने केशारा नुवांथा की गेंद पर सर्कल के बाहरी किनारे पर खड़े लाहिरू उदरा को कैच थमा दिया. पंत और जुरेल ने सातवें विकेट के लिए 112 रन की साझेदारी की।

दोनों टीमों की प्लेइंग-11

भारत– यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, देवदत्त पडिक्कल, शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल, सारांश जैन, मानव सुथार, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा।

श्रीलंका– लाहिरू उदारा, कामिल मिशारा, पसिंदु सोरियाबंदरा, कामिंडु मेंडिस, धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), सोनल दिनुशा, निरोशन डिकवेला (विकेटकीपर), केशरा नुवांथा, प्रभात जयसूर्या, लाहिरू कुमारा, असिथा फर्नांडो।

ऋषभ पंत ने रचा इतिहास, धोनी को पीछे छोड़ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज बने

भारतीय विकेटकीपर–बल्लेबाज ऋषभ पंत ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। पंत ने विदेशी या न्यूट्रल वेन्यू पर टेस्ट मैचों में बतौर विकेटकीपर सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने चोट के बावजूद दूसरे दिन मैदान पर वापसी करते हुए यह खास उपलब्धि हासिल की। कोलंबो टेस्ट के दौरान ऋषभ पंत ने विदेशी और न्यूट्रल वेन्यू पर बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। पंत के नाम रिपोर्ट लिखे जाने तक 41.68 की औसत से 2,501 रन दर्ज हो गए थे, जबकि महेंद्र सिंह धोनी ने 2,496 रन बनाए थे। इस सूची में फारुख इंजीनियर 1,209 रनों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। सैयद किरमानी ने 1,109 रन बनाए हैं, जबकि किरण मोरे 901 रनों के साथ शीर्ष पांच में शामिल हैं।

कोलंबो में सिर टकराने पर जायसवाल-फर्नांडो की 25 प्रतिशत फीस कटी,दोनों ने गलती मानी

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने भारतीय बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और श्रीलंका के तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो पर जुर्माना लगा दिया है. दोनों खिलाड़ी कोलंबो में जारी दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन मैदान पर ही भिड़ गए थे। आईसीसी ने सोमवार को दोनों खिलाड़ियों पर जुर्माना लगाने की पुष्टि भी कर दी है. क्रिकेट की गवर्निंग बॉडी ने जायसवाल और फर्नांडो पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया है. इस के अलावा दोनों को एक–एक डिमेरिट पॉइंट भी दिया गया। आईसीसी ने एक प्रेस रिलीज में कहा, दोनों खिलाड़ियों को आईसीसी के आचार संहिता के आर्टिकल 2.12 का उल्लंघन करते पाया गया. यह नियम किसी खिलाड़ी, खिलाड़ी सहायता कर्मी, अंपायर, मैच रेफरी या किसी अन्य व्यक्ति (जिसमें इंटरनेशनल मैच के दौरान दर्शक भी शामिल हैं) के साथ अनुचित शारीरिक संपर्क से संबंधित है।

इंडिया लड़ेगा और जवाब भी देगा..., श्रीलंकाई गेंदबाज के साथ हुई झड़प पर जायसवाल ने तोड़ी चुप्पी

भारत और श्रीलंका के बीच कोलंबो में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन काफी कुछ घटा. देवदत्त पडिक्कल ने लगातार दूसरा शतक जड़ा और 117 रन बनाकर आउट हुए. इसके अलावा यशस्वी जायसवाल और श्रीलंका के तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो के बीच तीखी बहस हुई. जिस पर जायसवाल की काफी ज्यादा आलोचना हुई। अब जायसवाल ने उन आलोचना का जवाब दिया है। उनका कहना है कि लोगों को इस झड़प के संदर्भ को जानने से पहले अपनी कोई राय नहीं कायम करनी चाहिए. जायसवाल ने ये प्रतिक्रिया मशहूर कमेंटेटर हर्षा भोगले की राय पर दी है। क्रिकबज के एक वीडियो में कमेंटेटर हर्षा भोगले इस पूरी घटना पर अपनी राय देते हुए दिखे. उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में जायसवाल के लिए सबसे अच्छा यही था कि वे वहां से चले जाते। जायसवाल ने जल्द ही उस वीडियो पर कमेंट करते हुए कहा कि घटना की पूरी जानकारी के बिना कोई राय नहीं बनानी चाहिए. उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, अगर आपको पता नहीं है कि उन्होंने क्या कहा, तो कृपया अपनी राय न बनाएं, हमें उन्हें बताना होगा, और साथ ही यह भी कहा, भारत लड़ेगा और जवाब देगा।

भारतीय महिला हॉकी टीम वर्ल्ड कप से बाहर, कोच मारिन ने कहा, 'मुझे टीम पर गर्व है'

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बिना गोल खाए मैच ड्रॉ कराने में सफल रही

नईदिल्ली (एजेंसी)। हॉकी वर्ल्ड कप में भारतीय महिला टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया. लेकिन वो बड़े मैच का दबाव नहीं झेल सकी और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बिना गोल खाए मैच ड्रॉ कराने में सफल रही. 'करो या मरो' के इस मुकाबले में दोनों टीमें कोई गोल नहीं कर सकीं. जिससे दोनों टीमों के पास 2-2 अंक रहे. लेकिन गोलों की गिनती के आधार पर भारतीय टीम सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो गई।

भारत को सेमीफाइनल में जाने के लिए यह मैच हर हालत में जीतना था. पहले दौर में पूल डी में चीन से ड्रॉ का एक अंक भारत के पास था जबकि आस्ट्रेलिया भी एक अंक लेकर आई थी. इसके बाद गोल डिफ्रेंस के आधार पर होना था जिसमें दोनों के माइनस दो गोल थे. आस्ट्रेलिया ने तीन गोल

किये और पांच गंवाये थे जबकि भारत ने दो गोल किए और चार गंवाए थे. पॉइंट्स और गोल डिफरेंस बराबर रहने के बाद गोल की गिनती में आस्ट्रेलिया एक गोल आगे था, जिससे वो सेमीफाइनल में पहुंच गया. अब भारत क्लासिफिकेशन मैच खेलेगा जबकि नीदरलैंड और ऑस्ट्रेलिया पूल श्व से सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। भारतीय महिला हॉकी टीम के कोच शोर्ड मारिन ने स्वीकार किया कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ में उनकी टीम काफी नर्वस थी लेकिन इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वर्ल्ड कप में पांचवें-छठे स्थान के प्लेऑफ में पहुंचना अभी भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मारिन ने कहा, ऐसा लग रहा था कि हमारे खिलाड़ी काफी नर्वस हैं. हम उस तरह का खेल नहीं खेल पाए जैसा हम खेलना चाहते थे. हमारे खेल में निरंतरता का अभाव था, पासिंग और रिसीविंग में तालमेल नहीं था और कई अनावश्यक गलतियां हुई।उन्होंने आगे कहा, हम परिणाम तो नहीं बदल सकते, लेकिन मुझे लड़कियों पर बहुत गर्व है. हम साथ मिलकर जीतते हैं, साथ मिलकर हारते हैं और साथ मिलकर ड्रॉ भी खेलते हैं. सभी ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया. मुझे उन पर हमेशा गर्व रहेगा।

द्रोणाचार्य अवॉर्डी पर यौन शोषण का आरोप

पास्को में केस, 16 साल की पीड़ित की शिकायत– मैसेज करके जिम में बुलाया, गोद में बैठाया

मुंबई (एजेंसी)। द्रोणाचार्य अवॉर्डी कोच गणेश प्रभाकर देवरुखकर के खिलाफ प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रंस फ्रॉम सेक्शुअल ऑफेंस यानी पास्को में केस दर्ज किया गया है। 45 साल के मलखंभ कोच के खिलाफ 16 साल की छात्रा ने शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस के मुताबिक छात्रा मुंबई के एक कॉलेज में पढ़ती है और कई साल से आरोपी कोच से जिमनास्टिक की ट्रेनिंग ले रही थी। शिकायत के अनुसार, घटना शुक्रवार सुबह की है। मलखंभ फेडरेशन ऑफ इंडिया के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि मुंबई के मलखंभ फेडरेशन से घटना को लेकर जानकारी मांगी गई है। आरोपी कोच फिलहाल फरार है। मुंबई पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रग्बी के पूर्व स्टार ने 81 अल्ट्रा मैराथन दौड़कर बनाया रिकॉर्ड

100 दिन तक दौड़कर 12 करोड़ जुटा रहे डेविड जैक्सन; चोट से चली गई थी याददाश्त

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड, वेल्स और स्कॉटलैंड के 25 स्थानों पर 10 किमी के सर्किट में दौड़ते हुए जैक्सन अब तक 4,000 किमी से ज्यादा की दूरी तय कर चुके हैं। इंग्लैंड, वेल्स और स्कॉटलैंड के 25 स्थानों पर 10 किमी के सर्किट में दौड़ते हुए जैक्सन अब तक 4,000 किमी से ज्यादा की दूरी तय कर चुके हैं। 13 साल पहले सिर की गंभीर चोट से याददाश्त खोने वाले पूर्व ब्रिटिश रग्बी खिलाड़ी डेविड जैक्सन ने लगातार 81 दिनों तक रोज 50 किमी की अल्ट्रा मैराथन पूरी कर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया है।ब्रिस्टल में रिवर एवन के किनारे 81वीं दौड़ पूरी करते ही उन्होंने पुरुष वर्ग में लगातार सबसे ज्यादा अल्ट्रा मैराथन का रिकॉर्ड अपने नाम किया। इससे पहले यह रिकॉर्ड 80 दौड़ का था। हालांकि

जैक्सन का लक्ष्य सिर्फ रिकॉर्ड बनाना नहीं, बल्कि ब्रेन इंजरी से जूझ रहे लोगों की मदद के लिए 100 दिन में 100 अल्ट्रा मैराथन पूरी करना है। 31 साल की उम्र में उनका 12 साल का पेशेवर रग्बी करियर एक हादसे के बाद खत्म हो गया था। नॉटिंघम रग्बी क्लब के लिए 316 मैचों में 102 ट्राई और 971 अंक बनाने वाले जैक्सन अभ्यास के दौरान साथी खिलाड़ी से सिर टकराने के बाद मैदान पर ही बेहोश हो गए थे।

रिंकू सिंह ने 414.29 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए

यूपी प्रीमियर लीग में सिर्फ 7 गेंदों में 29 रन की पारी खेली, मेरठ की लगातार छठी जीत

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में सोमवार को रिंकू सिंह ने 414.29 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 7 गेंदों पर 29 रन बनाए। मेरठ मावेरिक्स के कप्तान रिंकू ने गोरखपुर लायंस के खिलाफ अपनी पारी में 2 चौके और 3 छक्के लगाए।उनकी इस पारी की मदद से मेरठ ने यूपी टी-20 लीग के 16वें मैच में गोरखपुर को 10 विकेट से हरा दिया।

8-8 ओवर का मैच खेला गया – बारिश के कारण मैच 8-8 ओवर का कर दिया गया था। गोरखपुर लायंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 ओवर में 6 विकेट पर 91 रन बनाए। जवाब में मेरठ मावेरिक्स ने 6.4 ओवर में बिना विकेट गंवाए 92 रन बनाकर मैच जीत लिया।यह मेरठ मावेरिक्स की इस सीजन में लगातार छठी जीत है। टीम 12 अंक के साथ पॉइंट्स टेबल में पहले नंबर पर है। वहीं, गोरखपुर लायंस की 6 मैचों में यह चौथी हार है।

जीशान ने 2 ओवर में 4 विकेट लिए – मेरठ ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। गोरखपुर के ओपनर अभय प्रताप सिंह ने 16 गेंदों पर 33 रन बनाए। उन्होंने 4 चौके और 2 छक्के लगाए।मेरठ के जीशान अंसारी ने 2 ओवर में सिर्फ 10 रन देकर 4 विकेट लिए। वे प्लेयर ऑफ द मैच भी रहे।

रिंकू के अलावा स्वास्तिक ने बनाए 44 रन – रिंकू सिंह के अलावा मेरठ मावेरिक्स की ओर से स्वास्तिक चिकारा ने नाबाद 44 रन बनाए। 92 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी मेरठ ने शुरुआत से ही तेज बल्लेबाजी की।

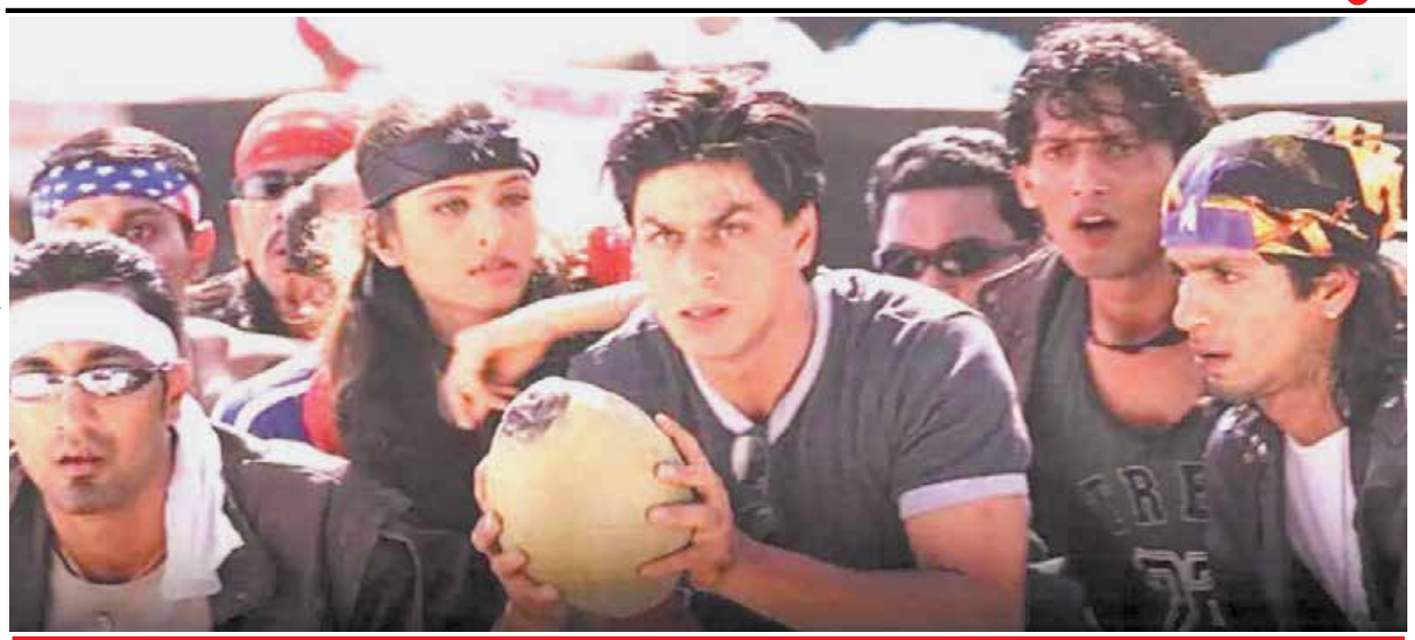

मैं डिप्रेशन में चला गया था, नशा करने लगा था

'जोश' में शाहरुख ने कटवाया इस एक्टर का रोल

फिल्म 'जोश' दर्शकों को खूब पसंद आई थी. इसमें शाहरुख खान, ऐश्वर्या राय और चंद्रचूड़ सिंह लीड रोल में थे. फिल्म में पुनीत वशिष्ठ ने भी काम किया था. उन्होंने रोल काटे जाने का दावा किया है

शाहरुख खान, ऐश्वर्या राय, चंद्रचूड़ सिंह, प्रिया गिल और शरद कपूर की फिल्म 'जोश' साल 2000 में आई थी. तब फिल्म को काफी पसंद किया गया था और इसके गाने भी खूब चले थे. फिल्म को मंसूर खान ने डायरेक्ट किया था. इस फिल्म का हिस्सा अभिनेता पुनीत वशिष्ठ भी थे. उन्होंने फिल्म में शाहरुख खान की गैंग के सदस्य और उनके दोस्त रॉनी का रोल निभाया था. पुनीत ने अब एक इंटरव्यू में दावा किया है कि फिल्म में शाहरुख खान ने उनके कई सीन कटवा दिए थे. पुनीत वशिष्ठ ने हाल ही में एक यूट्यूब चैनल को इंटरव्यू दिया, जिसमें उन्होंने 'जोश' फिल्म पर बात की. इस दौरान रोल काटे जाने पर पुनीत वशिष्ठ ने कहा, 'काफी कुछ कट हुआ.' जब उनसे पूछा गया कि ऐसा कैसे हुआ? तो उन्होंने कहा, 'मैंने शाहरुख भाई को डांस वगैरह के लिए ट्रेनिंग भी दी है. तो वो मेरी एनर्जी से अच्छी तरह वाकिफ थे. जब मंसूर खान अपने शॉट लगाते थे, तो शाहरुख खान अपनी एनर्जी के लिए जाने जाते थे. शाहरुख खान 10 फुट की जंप मारते थे तो मैं ऑटोमैटिकली, नॉर्मली, नैचुरली जंप मारता था तो मेरी जंप 14 फुट की हो जाती थी. तो ध्यान मेरे ऊपर जा रहा था, इसलिए मुझे कट कर दिया. '

'मैं उनकी जगह होता तो...'

पुनीत ने बताया कि जब उन्होंने जोश में काम करना शुरू किया था तो उनकी उम्र महज 20 साल थी. उन्होंने कहा, 'जोश 4 महीने में बनने वाली थी. लेकिन उसको बनने में साढ़े चार साल लग गए. मेरी नासमझी ये थी कि मैंने उसपर गौर किया जो मैंने खोया, उस पर नहीं, जो मैंने पाया. और फिर इस इस ग्रुप ने, तभी एक ग्रुप बन गया था तो कोई नहीं चाहता था कि ये एनर्जी वाला आए तो मुझे फिर ये सारे ग्रुपिज्म जो अभी ये वृक्ष बन रहा था, ये नेपोटिज्म का, या एक लॉबी का तो उस ग्रुप ने मुझे बहुत अवॉइड किया. '

डिप्रेशन और नशे में फंसे पुनीत

पुनीत ने बताया कि जब उन्हें इग्नोर किया जाने लगा तो वो डिप्रेशन में चले गए थे. वो कहते हैं, 'डिप्रेशन, अल्कोहलिज्म, नशा ये सारी चीजों में मैं घुस गया. क्योंकि टैलेंट था, कॉन्फिडेंस था... नॉर्मली ऐसा ही होता फिर तो ये सारी चीजों में गया. तो ये सारी चीजें हावी भी हो गई मुझ पर. जरा थोड़ा शॉर्ट भी हो गया मैं. लेकिन अभी भगवान की कृपा है. जो हुआ एक प्रोसेस था.

टॉक्सिक के मेगा हैदराबाद प्री-रिलीज़ इवेंट में

अक्षय ओबेरॉय और सुदेव नायर ने बढ़ाया एक्साइटमेंट का लेवल

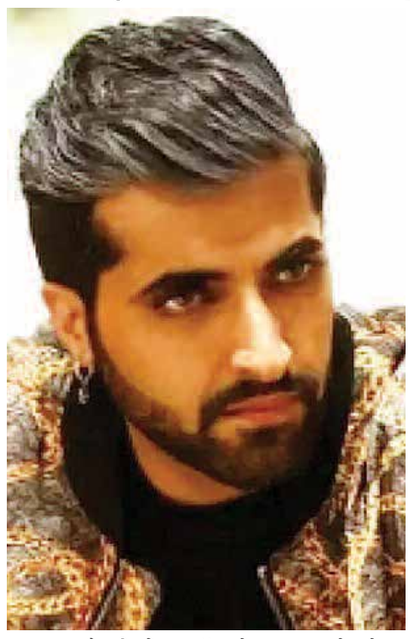

अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स को लेकर एक्साइटमेंट तब नेक्स्ट लेवल पर पहुंच गई, जब 26 अगस्त, 2026 को होने वाली फिल्म की वर्ल्डवाइड थिएट्रिकल रिलीज़ से पहले आयोजित ग्रैंड प्री-रिलीज़ इवेंट में 45,000 से ज्यादा फैंस उमड़ पड़े। इस धमाकेदार शाम में रॉकिंग स्टार यश, कियारा आडवाणी, रुक्मिणी वसंत, हुमा कुरैशी, अक्षय ओबेरॉय, सुदेव नायर, प्रोड्यूसर वेंकट के. नारायण और प्रोड्यूसर दिल राजू की मौजूदगी ने माहौल को और भी इलेक्ट्रिफाइंग बना दिया। फिल्म में टोनी का किरदार निभा रहे अक्षय ओबेरॉय ने आंध्र प्रदेश से अपने खास कनेक्शन और हैदराबाद में मिले प्यार के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'आज रात यहां आकर मैं बहुत खुश और सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मेरे माता-पिता आंध्र के विशाखापत्तनम में बड़े हुए हैं और मेरे पिता इसी शानदार शहर में पले-बढ़े हैं। इसलिए आप सभी के बीच यहां होना बहुत खास है। मैं आपके शहर से बहुत इम्प्रेस हूं। मैं मुंबई से हूं, इसलिए यहां आना मेरे लिए बहुत अच्छा अनुभव है। आप सभी को ढेर सारा प्यार। अक्षय ने आगे कहा, 'मैं भी आप सभी की तरह बॉस का बहुत बड़ा फैन हूं। उनकी सबसे खास बात यह है कि वह एक बेहद प्राउड इंडियन हैं।

मुझे शुरू से पता था कि वह ऐसी फिल्म बनाना चाहते हैं, जिस पर उनके दर्शकों को गर्व हो। एक ऐसी फिल्म जो इंटरनेशनल और ग्लोबल स्केल की हो और जिस पर हम सभी गर्व कर सकें। वहीं, सुदेव नायर ने भी स्टेज पर अपनी एनर्जी से माहौल को और हाई कर दिया। उन्होंने अपने किरदार करुमाड़ी के बारे में बात करते हुए दर्शकों को टॉक्सिक में आने वाली सनक और पागलपन की झलक दी। सुदेव ने कहा, 'इस फिल्म में मेरा किरदार करुमाड़ी है। उसके अंदर पागलपन है। अब ज्यादा खतरनाक कौन है, ये आप तय कर सकते हैं।

लेकिन हां, इस फिल्म में पागलपन बहुत है। ' सुदेव ने अपने मलयाली कनेक्शन पर भी दर्शकों के साथ एक प्यारा पल शेयर किया। उन्होंने कहा, 'यहां इतने सारे मलयाली हैं, इसलिए मुझे लग रहा है जैसे मैं घर पर हूं। उन्होंने दर्शकों से टॉक्सिक को थिएटर में देखने की अपील करते हुए कहा, 'जैसा कि सभी ने कहा, हमें टॉक्सिक को थिएटर में जाकर देखना है। ' गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी टॉक्सिकः अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स में रॉकिंग स्टार यश, नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत, हुमा कुरैशी, अक्षय ओबेरॉय और सुदेव नायर नजर आएंगे। यह फिल्म 26 अगस्त, 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

बॉबी देओल स्टारर सीरीज पर प्रकाश झा ने दी बड़ी अपडेट

क्या 'आश्रम 4' की शुरू हुई शूटिंग?

बॉबी देओल की अदाकारी वाली वेब सीरीज 'आश्रम' की अगली कड़ी का एलान हो गया है। प्रकाश झा प्रोडक्शंस ने इंस्टाग्राम पर इसकी जानकारी दी है। 'आश्रम' सीरीज के सभी पार्ट को दर्शकों ने प्यार दिया है। प्रकाश झा ने नए सीजन का एलान करके फैंस को तहफा दिया है। 'आश्रम 4' का एलान करते हुए सोशल मीडिया पर एक तस्वीर शेयर की गई है। इसमें मूवी क्लिपबोर्ड नजर आ रहा है। इस पर 'एक बदनाम आश्रम' लिखा है। तस्वीर शेयर करते हुए प्रोडक्शन हाउस ने कैप्शन में लिखा 'एक और आरंभ। आश्रम के नए अध्याय में आपका स्वागत है। जापनाम। आश्रम 4 की शूटिंग हो रही है।

रसिका दुग्गल ने शेयर किया मेलबर्न का अनुभव, कहा- रेखा के साथ 'उमराव जान' देखना रहा यादगार

अभिनेत्री रसिका दुग्गल ने भारतीय फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न 2026 में 'बेस्ट एक्ट्रेस (सीरीज)' का पुरस्कार जीतकर नया कीर्तिमान हासिल किया है। शनिवार को अभिनेत्री ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी मेलबर्न जर्नी के बारे में बताया। अभिनेत्री रसिका दुग्गल ने इंस्टाग्राम पर मेलबर्न फिल्म फेस्टिव की कुछ झलकियां शेयर कीं। इसमें उनके साथ अभिनेत्री रेखा, रानी मुखर्जी और अभिनेता विजय शामिल हैं। इसके साथ ही स्टेज पर पुरस्कार लेते हुए भी तस्वीर नजर आ रही है। अभिनेत्री ने अपनी इस पोस्ट के जरिए फिल्म फेस्टिवल में यादगार पलों के बारे में बताया। साथ ही, क्लासिक उमराव जान देखने के अनुभव को याद किया और रानी मुखर्जी के बारे में एक इमोशनल किस्सा शेयर किया। लिखा, 'लंबी फ्लाइट्स, एक के बाद एक इवेंट्स जल्दी-जल्दी में किया गया मेकअप, मेरा कैमरा खुद कहता है कि अपना लेंस साफ करो और हेडफोन कभी मिलता ही नहीं। इन सबके बावजूद मुझे हैरान होती है कि मैं हमेशा आईएफएफएम से इंसपायर्ड होकर लौटती हूं। मुझे एहसास होता है कि पागलपन भरी जिंदगी वाकई में जीने लायक है। अभिनेत्री ने आगे फिल्म प्रोड्यूसर मिटू भौमिक लांगे और स्टाइलिश नताशा समेत पूरी टीम का शुक्रिया अदा किया। साथ ही, बताया कि अभिनेत्री रेखा कि फिल्म उमराव का असर आज भी बरकरार है। उन्होंने लिखा, 'रेखा जी और ऐसी ऑडियंस के साथ फिल्म उमराव जान देखना, जो फिल्म के डायलॉग पूरे कर रही थी और गानों के साथ गा रही थी। एक फिल्म का 45 साल बाद भी ऐसा असर हो सकता है। अभिनेत्री ने आगे रानी मुखर्जी की कहानी के बारे में बताते हुए लिखा, 'रानी मुखर्जी को स्कूल के एक नाटक में शकुंतला के रोल के लिए कास्ट न होने की एक खूबसूरत कहानी सुनाते हुए सुनना - जिससे मैं पूरी तरह से जुड़ पाई। पता चला हम सबकी एक शकुंतला वाली कहानी है और जाहिर है, दिल्ली क्राइम सीरीज के लिए अवॉर्ड जीतना भी मेरे लिए खास था। '

यश ने रचा इतिहास

यश की 'टॉक्सिक' टिकट बुकिंग वेबसाइट्स पर भी छाई हुई है. फिल्म ने एक ऐसा कारनामा कर दिया है, जिससे पता चलता कि इसको लेकर ऑडियंस के बीच कितना बज़ है. यश की 'टॉक्सिक' को रिलीज होने में अब बस कुछ ही दिन बचे हैं. 26 अगस्त को ये फिल्म 6 भाषाओं में बड़े पर्दे पर दस्तक देगी. जहां एक तरफ ट्रेलर आने के बाद कुछ सीन को लेकर फिल्म की आलोचना भी हुई, तो वहीं दूसरी इस पिक्चर को लेकर खूब बज़ भी बना हुआ है. ऐसा हम नहीं कह रहे हैं बल्कि आंकड़े बता रहे हैं. दरअसल, 'टॉक्सिक' 13वीं ऐसी इंडियन फिल्म बन गई है, जिसे टिकट बुकिंग वेबसाइट बुकमायशो पर 1 मिलियन यानी 10 लाख से ज्यादा इंटरेस्ट मिले हैं. फिल्म की रिलीज से पहले बुकमायशो पर फिल्म के नाम के साथ इंटरेस्ट का ऑप्शन दिखता है, जिसके जरिए ऑडियंस फिल्म को लेकर अपनी दिलचस्पी जाहिर करते हैं.

इस एक्ट्रेस से की गई गंदी डिमांड, बोलीं- इंडस्ट्री में कोई Safe नहीं

कंगना शर्मा ने हाल ही में अपनी जिंदगी के मुश्किल दौर को लेकर कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि उनका बचपन बेहद संघर्षपूर्ण रहा। उन्होंने दावा किया कि बचपन में उनके एक रिश्तेदार ने उनके साथ गलत व्यवहार किया था लेकिन... कंगना शर्मा ने हाल ही में अपनी जिंदगी के मुश्किल दौर को लेकर कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि उनका बचपन बेहद संघर्षपूर्ण रहा। उन्होंने दावा किया कि बचपन में उनके एक रिश्तेदार ने उनके साथ गलत व्यवहार किया था लेकिन इस बारे में उनके परिवार को आज तक जानकारी नहीं है। कंगना के मुताबिक, वह रिश्तेदार अब इस दुनिया में नहीं हैं। एक्ट्रेस ने अपने बचपन की आर्थिक परेशानियों को भी याद किया। उन्होंने बताया कि उस समय उनके पिता कोई काम नहीं करते थे और परिवार के पास अपना घर तक नहीं था। हालात इतने खराब थे कि कई बार खाने के लिए आटा भी दूसरों से मांगना पड़ता था। जिंदगी की छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने के लिए भी उन्हें काफी संघर्ष करना पड़ा। कंगना शर्मा ने यह भी बताया कि करियर के दौरान उन्हें कास्टिंग काउच जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने अपने अनुभव शेयर करते हुए बताया कि इंडस्ट्री में काम पाने की कोशिश के दौरान उन्हें कई असहज परिस्थितियों से गुजरना पड़ा।

कंगना का छलका दर्द

कंगना ने कास्टिंग काउच के अपने अनुभव को याद करते हुए बताया कि हेट स्टोरी 2 की कास्टिंग के दौरान उनके साथ एक बेहद असहज घटना हुई थी। एक्ट्रेस के मुताबिक, वह एक एजेंसी के शख्स के साथ रेस्टोरेंट में बैठी थीं। बातचीत के दौरान उनसे पूछा गया कि वह कितनी बोल्ड हैं। इस पर कंगना ने कहा कि अगर बात एक्टिंग की हो तो वह किसी भी तरह का किरदार निभाने के लिए तैयार हैं। और मानसिक रूप से काफी बोल्ड हैं। कंगना ने बताया कि उसने मुझे कहा कि अपन पेंटी उतारकर मुझे दो। तो फिर मैंने कहा अभी खाएगा या बाहर चलकर खाएगा। फिर उसने कहा कि मैं तो सिर्फ तुम्हारी बोल्डनेस देख रहा था। तब मैंने उनसे कहा कि तुमने अब तक पता नहीं कितनी लड़कियों को इस तरह तंग किया होगा। इसके बाद कंगना ने बताया कि कास्टिंग काउच किसी एक इंडस्ट्री तक सीमित नहीं है और किसी भी क्षेत्र को पूरी तरह सुरक्षित नहीं कहा जा सकता। उन्होंने यह भी माना कि ऐसी परिस्थितियों में इंसान किस तरह प्रतिक्रिया देता है, यह काफी हद तक उसके अपने फैसले पर निर्भर करता है।

मेरा दिमाग सुन्न हो गया था: करण वाही

टीवी एक्टर करण वाही इन दिनों रोहित शेट्टी के स्टंट बेस्ड रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' में अपने डर का सामना करते नजर आ रहे हैं। शो के पहले ही हफ्ते में कंटेस्टेंट्स को एक बेहद मुश्किल और दर्दनाक टास्क का सामना करना पड़ा था। इस टास्क में कंटेस्टेंट्स को पैलेट गन से रबर की गोलियां लगने का दर्द सहना पड़ा था। इस दौरान कई कंटेस्टेंट्स की पीठ पर चोट के निशान भी पड़ गए। अब करण वाही ने इस दर्दनाक टास्क को याद करते हुए बताया कि इसका उन पर कितना असर हुआ था।

दर्द नहीं सह सकते तो छोड़ दो

करण ने जूम के साथ बातचीत में बताया कि शो के होस्ट रोहित शेट्टी आमतौर पर किसी कंटेस्टेंट को हार मानने या शो छोड़ने के लिए नहीं कहते। लेकिन इस टास्क के दौरान उन्होंने कंटेस्टेंट्स से साफ कहा था कि अगर वे दर्द नहीं सह सकते तो पीछे हट सकते हैं। करण ने बताया, 'क्योंकि ये कोई मजाक या खेल नहीं है। इससे आपको सच में डर लग सकता है और ऐसी चोट लग सकती है, जो आप नहीं चाहते। उस समय सीजन की शुरुआत ही हुई थी। इसलिए आप नहीं चाहते कि शो में आने के बाद या पूरे शो के दौरान आपको बहुत ज्यादा दर्द सहना पड़े।'

भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमरपाल मौर्य ने विधिवत संभाला पदभार

■ संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव भाजपा ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष हरीश पटेल ने नवनियुक्त ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमरपाल मौर्य को दी शुभकामनाएं

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली/दमण 24 अगस्त। भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा हाल ही में विभिन्न मोर्चों के राष्ट्रीय अध्यक्षों की नियुक्ति की गई थी। इसी के तहत भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी अमरपाल मौर्य को सौंपी गई थी। अमरपाल मौर्य ने 24 अगस्त 2026 को नई दिल्ली स्थित भाजपा केंद्रीय कार्यालय में भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में विधिवत पदभार संभाल लिया। इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं राज्यसभा सांसद तथा उत्तर प्रदेश प्रभारी विनोद तावड़े, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष ओबीसी मोर्चा डॉ. के. लक्ष्मण, केंद्रीय मंत्री प्रो. एस.पी. सिंह बघेल, बी.एल. वर्मा, उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री दारा सिंह चौहान, ओबीसी आयोग के पूर्व अध्यक्ष हंसराज अहीर, पूर्व सांसद संगम लाल गुप्ता सहित ओबीसी मोर्चा के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं उपस्थित रहकर अमरपाल मौर्य को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं एवं बधाई दी। इस मौके पर संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव भाजपा ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष हरीश पटेल ने अमरपाल मौर्य को गुलदस्ता भेंटकर और खेस पहनाकर नई जिम्मेदारी के लिए उन्हें बधाई दी और उनका अभिनंदन किया। हरीश पटेल ने कहा कि आपके नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में ओबीसी मोर्चा देशभर में और अधिक सशक्त एवं संगठित होगा तथा पिछड़े वर्गों के अधिकार, सम्मान और उत्थान के लिए नई ऊर्जा के साथ कार्य करेगा। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव ओबीसी मोर्चा की ओर से आपके सफल कार्यकाल के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। हरीश पटेल ने संघ प्रदेश श्रीडी में ओबीसी मोर्चा द्वारा किये जा रहे कार्यक्रमों और संगठन मजबूती के कार्यों की जानकारी भी दी।

ओडिशा मित्र मंडल ने मुफ्त मेगा स्वास्थ्य और रक्तदान शिविर का किया आयोजन: हजारों लोगों ने उठाया लाभ

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 24 अगस्त। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के प्रशासक प्रफुल पटेल के परिवर्तनकारी नेतृत्व के 10 साल सफलतापूर्वक पूरे होने के उपलक्ष्य में। ओडिशा मित्र मंडल दमण द्वारा एक बड़े पैमाने पर मुफ्त स्वास्थ्य और रक्तदान शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। जिसमें हजारों लोगों ने स्वास्थ्य जांच और रक्तदान का लाभ उठाया। इस शिविर का उद्घाटन भाजपा नेता विशाल टंडेल, हिरेन जोशी, अनिल टंडेल और ओडिशा मित्र मंडल की सभापति नयन पाढी एवं सदस्य, डॉक्टरों, कार्यकर्ताओं ने द्वीप प्रज्ज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उद्घाटन करते हुए विशाल टंडेल ने कहा कि मानव सेवा ही ईश्वर की सेवा है। यह विशाल शिविर 23 अगस्त को कोली पटेल समाज हॉल में आयोजित किया गया था। शिविर में विभिन्न बीमारियों के लिए मुफ्त स्वास्थ्य जांच की सुविधा उपलब्ध थी, जिसमें श्रीमद राजचन्द्र हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर धरमपुर हॉस्पिटल की विशेषज्ञ डॉक्टरों और उनकी टीम शामिल थी। इस दौरान ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर, नेत्र रोग और चश्मा वितरण, दंत रोग, सामान्य बीमारियों जैसे बुखार, खांसी, पेट दर्द, दस्त/उल्टी इत्यादि और सामान्य शारीरिक परीक्षण जैसे कई प्रकार की जांच की गई। रक्तदान शिविर में दमण रक्तदान केंद्र की अनुभवी डॉक्टरों और टीम की सहायता से भी काफी संख्या में लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया, जिससे जरूरतमंद मरीजों को जीवन बचाने में मदद मिलेगी। कुल मिलाकर लगभग 105 यूनिट ब्लड डोनेट हुआ। ओडिशा मित्र मंडल दमण द्वारा शिविर आयोजन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के उन लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना था जो महंगी स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने में असमर्थ हैं। साथ ही रक्त की कमी को पूरा करने में सहायता करना भी था। शिविर में जन जागरूकता अभियान भी चलाया गया, जिसमें स्वस्थ जीवन शैली, टीकाकरण और रक्तदान के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। यह आयोजन स्थानीय समुदाय के लिए एक बड़ी सफलता साबित हुआ और भविष्य में भी ऐसे आयोजनों की आवश्यकता पर बल दिया।

रोटारैक्ट क्लब ऑफ दमण एवं कैनाइन स्पेस पेट शॉप के सहयोग से आवारा पशुओं के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर का होगा आयोजन

■ मशाल चौक में कैनाइन स्पेस पेट शॉप पर 31 अगस्त से 4 सितंबर तक चलेगा विशेष सुरक्षा शिविर

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण, 24 अगस्त। रोटारैक्ट क्लब ऑफ दमण एवं कैनाइन स्पेस पेट शॉप के सहयोग से सभी आवारा पशुओं के लिए एक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन कर रहा है। यह शिविर सुबह 10:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक कैनाइन स्पेस पेट शॉप, मशाल चौक, नानी दमण (लेंसकार्ट के सामने) में आयोजित किया जाएगा। नानी दमण क्षेत्र में यह अभियान चलाया जाएगा।

आवारा पशुओं के लिए विशेष सुरक्षा अभियान: 31 अगस्त से 4 सितंबर 2026 तक निःशुल्क एंटी-रेबीज टीकाकरण और रेडियम कॉलर अभियान चलाया जाएगा। इस पहल के दौरान सभी आवारा पशुओं को निःशुल्क एंटी-रेबीज टीके लगाए जाएंगे और रेडियम कॉलर पहनाए जाएंगे। इस पहल का उद्देश्य आवारा पशुओं को रेबीज जैसी जानलेवा बीमारियों से बचाना और रात के समय सड़कों पर उनकी दृश्यता बढ़ाकर सड़क दुर्घटनाओं के खतरे को कम करना है। यह कार्यक्रम सूरज देसाई - कैनाइन स्पेस पेट शॉप (8849130858, 8488884843), नवनीत सिंह धामी - अध्यक्ष, रोटारैक्ट क्लब (7043400335), आशुतोष रावल - प्रोजेक्ट चेयरमैन, जीत प्रजापति - प्रोजेक्ट चेयरमैन और जय प्रजापति - मानद सचिव के सहयोग से आयोजित किया जाएगा।

भीमपोर सरपंच उदय पटेल के आग्रह पर 10 साल की सुशासन और स्वच्छता के तहत सिल्वर इंडस्ट्रियल एस्टेट में चलाया स्वच्छता अभियान

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 24 अगस्त। प्रशासक प्रफुल पटेल के 10 सालों के स्वच्छता एवं विकासोन्मुखी कार्यकाल के दौरान दमण में स्वच्छता, सौंदर्यीकरण एवं सार्वजनिक सुविधाओं के क्षेत्र में किए गए प्रयासों को जनभागीदारी के साथ आगे बढ़ाने के संकल्प के साथ भीमपोर ग्रुप ग्राम पंचायत द्वारा क्लीन सिल्वर इंडस्ट्रियल एस्टेट, क्लीन भीमपोर, क्लीन दमण अभियान के तहत सिल्वर इंडस्ट्रियल एस्टेट भीमपोर में विशाल स्वच्छता अभियान आयोजित किया गया। भीमपोर ग्रुप ग्राम पंचायत के सरपंच उदय पटेल के आग्रह पर आयोजित इस अभियान में सिल्वर इंडस्ट्रियल एस्टेट भीमपोर के 150 से अधिक सफाई कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके अलावा सिल्वर इंडस्ट्रियल एस्टेट में स्थित विभिन्न उद्योगों के मालिक, प्रबंधन एवं अधिकृत प्रतिनिधि भी अभियान में शामिल हुए और स्वच्छता कार्य में सक्रिय सहयोग प्रदान किया। भीमपोर ग्रुप ग्राम पंचायत के सभी सदस्य भी उपस्थित रहे और अभियान में सहभागी बने। सरपंच उदय पटेल ने कहा कि स्वच्छता केवल पंचायत की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि उद्योगों, कामगारों और पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। सभी के सहयोग से ही स्वच्छ एवं सुंदर भीमपोर और दमण का निर्माण संभव है। इस स्वच्छता अभियान को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करने वाली सिल्वर इंडस्ट्रियल एस्टेट की सभी इंडस्ट्रीज के मालिकों, मैनेजमेंट, अधिकृत प्रतिनिधियों एवं 150 से अधिक सफाई कर्मचारियों का भीमपोर ग्रुप ग्राम पंचायत की ओर से हृदयपूर्वक आभार व्यक्त किया गया। इस अभियान के माध्यम से 10 वर्ष सुशासन और स्वच्छता के संदेश के साथ स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता एवं जनभागीदारी बढ़ाने का महत्वपूर्ण प्रयास किया गया।

सिलवासा और खानवेल में 27 अगस्त को लगेगा प्रशासन आपके द्वार विशेष शिविर

■ नागरिकों को एक ही स्थान पर मिलेंगी विभिन्न विभागों की सेवाएं, स्वास्थ्य शिविर का भी होगा आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 24 अगस्त। दादरा नगर हवेली जिला प्रशासन द्वारा नागरिकों को केंद्रित एवं सुविधाजनक सरकारी सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रशासन आपके द्वार कार्यक्रम के तहत 27 अगस्त 2026 को सिलवासा और खानवेल उप-विभाग में विशेष शिविरों का आयोजन किया जाएगा। प्रशासन की ओर से जारी परिपत्र के अनुसार इन शिविरों में विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौके पर मौजूद रहकर नागरिकों की समस्याओं एवं सेवा संबंधी जरूरतों का समाधान करेंगे। सिलवासा उप-विभाग का विशेष शिविर 27 अगस्त को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक रखोली ग्राम पंचायत घर में आयोजित किया जाएगा। शिविर में मामलतदार कार्यालय (सिलवासा), जिला पंचायत का विकास एवं योजना कार्यालय, शिक्षा कार्यालय, लोक निर्माण विभाग, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, कृषि विभाग, डीएनएचडीडीपीसीएल, समाज कल्याण विभाग, एससी/एसटी कॉरपोरेशन तथा यूआईडीएआई सहित विभिन्न विभाग भाग लेंगे। प्रशासन की ओर से स्वास्थ्य विभाग को भी स्थल पर स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने के लिए आवश्यक व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी दिन खानवेल उप-विभाग का विशेष शिविर सुबह 10:30 बजे से शाम 4 बजे तक ग्राम पंचायत, खानवेल, खेरड़ी रोड, मिनी कलेक्ट्रेट के सामने आयोजित किया जाएगा। खानवेल के शिविर में मामलतदार कार्यालय (खानवेल), जिला पंचायत का विकास एवं योजना कार्यालय, शिक्षा कार्यालय, पीडबल्यूडी, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, कृषि विभाग, डीएनएचडीडीपीसीएल, समाज कल्याण विभाग, एससी/एसटी कॉरपोरेशन और यूआईडीएआई सहित कुल 10 विभागों की भागीदारी रहेगी। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग द्वारा विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जाएगा। जिला प्रशासन ने संबंधित सभी अधिकारियों को आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने तथा निर्धारित समय पर विशेष शिविर में उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन आपके द्वार पहल का उद्देश्य सरकारी सेवाओं को नागरिकों के नजदीक पहुंचाना और विभिन्न विभागों से संबंधित कार्यों एवं समस्याओं के समाधान के लिए लोगों को एक ही स्थान पर सुविधा उपलब्ध कराना है। प्रशासन ने क्षेत्र के नागरिकों से अपील की है कि वे 27 अगस्त को अपने संबंधित क्षेत्र में आयोजित विशेष शिविर में पहुंचकर उपलब्ध सरकारी सेवाओं का लाभ उठाएं।

खानवेल में 25 अगस्त को लगेगा एक दिवसीय रोजगार मेला

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 24 अगस्त। संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव प्रशासक प्रफुल पटेल के मार्गदर्शन में युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 25 अगस्त 2026 को खानवेल में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। रोजगार मेले में कई प्रतिष्ठित कंपनियां हिस्सा लेंगी और विभिन्न पदों के लिए योग्य उम्मीदवारों का चयन करेंगी। प्रशासन का उद्देश्य युवाओं को उनकी योग्यता एवं कौशल के अनुरूप रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। रोजगार मेले का आयोजन ग्राम पंचायत खानवेल मिनी कलेक्टर कार्यालय के सामने खानवेल में किया जाएगा। रोजगार मेला 25 अगस्त 2026 को सुबह 9:30 बजे से शाम 6:00 बजे तक चलेगा। जिला प्रशासन ने दादरा नगर हवेली के युवाओं से अपील की है कि वे इस रोजगार मेले में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर उपलब्ध रोजगार अवसरों का लाभ उठाएं और मेले को सफल बनाने में सहयोग करें। प्रशासन की ओर से जारी सूचना में बताया गया है कि रोजगार मेले का उद्देश्य युवाओं और रोजगार उपलब्ध कराने वाली कंपनियों के बीच बेहतर संपर्क स्थापित करना है, ताकि स्थानीय युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिल सकें। यह जानकारी अमित कुमार डिप्टी कमिश्नर (श्रम एवं रोजगार), दादरा नगर हवेली द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है।

जेम्स ऑफ इंडिया पहल के तहत देव की प्रतिभाओं एवं अनूठी विरासत को राष्ट्रीय मंच पर पहचान दिलाने का आह्वान

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 24 अगस्त। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार की नवीन पहल जेम्स ऑफ इंडिया के तहत आज दीव में एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में नई दिल्ली से आए एडीपी आशुतोष कुमार ने जेम्स ऑफ इंडिया पहल के उद्देश्यों एवं इसकी संभावनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस बैठक में दीव के मीडिया प्रभारी, सामग्री निर्माता, शिक्षा अधिकारी एवं अन्य संबंधित व्यक्तियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस अवसर पर दीव के उपसमाहर्ता शिवम मिश्रा भी उपस्थित रहे। नई दिल्ली से आए आशुतोष कुमार ने कहा कि जेम्स ऑफ इंडिया दीव के लिए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करने का एक सुनहरा अवसर है। इस पहल के माध्यम से (समाचार का शेष पेज 3 पर)

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)